● वर्ष : 17 ● अंक : 151 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 22 मार्च 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

राजधानी में ईद-उल-फितर की रौनक

जामा मस्जिद में उमड़ा जनसैलाब, दिया भाईचारे का संदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर के साथ राजधानी दिल्ली में आज ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जा रहा है। शनिवार सुबह से ही ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाजियों का तांता लग गया। हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नए परिधानों में सजे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर चेहरा खुशी से दमक रहा था। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जो भारतीय संस्कृति के साझा भाईचारे की जीवंत तस्वीर पेश कर रहा था।त्योहार के इस उल्लास के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। राजधानी को हाई अलर्ट पर रखा गया है, विशेषकर दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका और उत्तम नगर जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। गौरतलब है कि 4 मार्च को दो परिवारों के बीच हुए विवाद में एक युवक की मौत के बाद इन इलाकों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहती। द्वारका और उत्तम नगर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 100 से अधिक पुलिस पिकेट लगाए गए हैं। संवेदनशील गलियों, प्रमुख चौराहों और मकानों की छतों पर जवानों की तैनाती की गई है। उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन और उसके आसपास के व्यापारिक क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है ताकि नमाजियों और राहगीरों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय के निर्देशानुसार, मस्जिदों और ईदगाहों के पास ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखी जा रही है। सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी भीड़ के बीच तैनात हैं। वाहनों की सघन चेकिंग और पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) के जरिए उपद्रवी तत्वों को सख्त संदेश दिया जा रहा है। इसके अलावा, प्रशासन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी पैनी नजर रख रहा है ताकि किसी भी तरह की भड़काऊ सामग्री या अफवाह के जरिए माहौल बिगाड़ने की कोशिश को नाकाम किया जा सके। इलाके के स्थानीय निवासियों में सुरक्षा को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। जहां एक ओर भारी बैरिकेडिंग और पुलिस की मौजूदगी से आवाजाही में थोड़ी परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर लोग इस बात से संतुष्ट हैं कि प्रशासन शांति बनाए रखने के लिए गंभीर है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने नवरोज की बधाई दी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को नवरोज के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा कि नवरोज का यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उन्होंने कामना की कि नया साल सभी के लिए खुशियों से भरा हो। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि यह नया साल सभी के जीवन में समृद्धि और खुशियां लेकर आए।

उन्होंने सभी के अच्छे स्वास्थ्य और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। गृहमंत्री अमित शाह ने नवरोज पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी की कामना व्यक्त की। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि नवरोज का यह दिन हमारी एकता को मजबूत करे और सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों के द्वार खोले।

उल्लेखनीय है कि नवरोज मुख्य रूप से ईरान और मध्य एशिया में पारसी समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला नव वर्ष का त्योहार है। यह 21 मार्च के आसपास वसंत ऋतु की शुरुआत में आता है। भारत में यह विशेष रूप से पारसी समुदाय द्वारा मुंबई और पुणे जैसे क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने पारसी समुदाय के नव वर्ष नवरोज़ के अवसर पर भी जनता का अभिवादन किया। उन्होंने प्रार्थना की कि आने वाला वर्ष हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और आनंद लेकर आए। उन्होंने अपने संदेश में कहा, नवरोज़ के विशेष अवसर पर शुभकामनाएं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

भरोसे की नीव पर टिका है, बैंकिंग सिस्टम

भारत के सबसे बड़े निजी एचडीएफसी बैंक इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। 1 दिन में 9 फीसदी की गिरावट ने भारत के बैंकिंग सिस्टम को हिला कर रख दिया है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक एथिकल कंसर्न्स के कारण इस्तीफे ने न केवल शेयर बाजार को झकझोर दिया है। बल्कि निवेशकों और बैंक में बचत खाते और एफडी में जमाकर्ताओं के भरोसे को हिला कर रख दिया है। महज एक दिन में करीब एक लाख करोड़ रुपये का बैंक को पूंजी का नुकसान होना, बैंक की साख खत्म होने का संकेत है। बैंकिंग में भरोसा ही बैंक की सबसे बड़ी पूंजी होती है। भारत के बैंकिंग सिस्टम में एचडीएफसी बैंक का जो रुतबा था वह एक ही झटके में कमजोर पड़ गया है। इसका असर भारत के राष्ट्रीयकृत बैंकों और निजी बैंकों पर भी पड़ना तय है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया को स्थिति संभालने के लिए सामने आना पड़ा।

रिजर्व बैंक को आश्वासन देना पड़ा, बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत है। निवेशकों और बैंक ग्राहकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सवाल यह है, अगर बैंक मे सब कुछ ठीक है। ऐसी स्थिति में बैंक के अध्यक्ष को "नैतिक आधार पर इस्तीफा देने का मुद्दा इतना बड़ा कैसे हो गया। एक अनुभवी प्रशासक को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देकर पद छोड़ना पड़ा? दीपक पारेख के नेतृत्व में बनी इस बैंक की पहचान हमेशा उच्च कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने की रही है। एचडीएफसी मॉडल देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक आदर्श और नैतिक संस्थान के रूप में देखा गया है। ऐसे में वर्तमान घटनाक्रम उस विरासत और भरोसे पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। यह संकट तकनीकी या परिचालन विफलता का नहीं है। बैंक और कंपनी के कारोबार में नैतिकता और प्रबंधन की विश्वसनीयता के संकट का भी है। बैंकिंग प्रणाली की नींव "ट्रस्ट" (विश्वास) पर टिकी होती है। करोड़ों लोग अपनी जीवन भर की कमाई बैंकों में इसलिए जमा करते हैं। उसे विश्वास होता है, बैंकों में जमा उसका पैसा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा।

जब उसकी आवश्यकता होगी, बैंक तुरंत उसे वापस करेगा। जब उसी संस्था के शीर्ष स्तर के पदाधिकारी नैतिकता पर सवाल उठाते हैं। इस स्थिति में निवेशकों और बैंक के जमाकर्ताओं का भरोसा डगमगाता है। शेयर बाजार के निवेशकों में अध्यक्ष के इस्तीफा के कारण घबराहट और बैंक के जमाकर्ताओं की चिंता इसकी प्रतिक्रिया है। हालांकि, बैंक ने इस इस्तीफे के बाद त्वरित रूप से केकी मिस्त्री को अध्यक्ष पद की अंतरिम जिम्मेदारी सौंपकर स्थिति को संभालने की कोशिश की है। केवल इस नियुक्ति से शेयर बाजार के निवेशकों और बैंक के जमाकर्ताओं का विश्वास बहाल नहीं होगा। इसके लिए पारदर्शी जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारात्मक कदम बैंक को उठाने होंगे। इस घटना का असर पूरे बैंकिंग सेक्टर को बड़ी चेतावनी है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

खड़गे के घर रातभर हाई-वोल्टेज ड्रामा! कांग्रेस की कैंडिडेट लिस्ट पर राहुल गांधी ने लगाई रोक

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूँकने के साथ ही कांग्रेस के भीतर उम्मीदवारी को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है। 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के बीच भारी हलचल देखी गई।

मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर रात 10:30 बजे शुरू हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक तड़के 2:30 बजे तक चली। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे की मुख्य वजह राहुल गांधी की नाराजगी थी, जिन्होंने केरल के उम्मीदवारों की शुरुआती सूची पर रोक लगाते हुए पूरी प्रक्रिया पर फिर से मंथन करने का निर्देश दिया। राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि अब टिकटों का बंटवारा महज सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि डेटा ड्रिवन पॉलिटिक्स के तहत होगा। उन्होंने मांग की कि हर सीट पर जातीय समीकरण, सर्वे रिपोर्ट और जमीनी फीडबैक को आधार बनाया जाए। इस कड़े रुख के कारण कई दिग्गजों के चुनावी अरमानों पर पानी फिर गया है। राहुल गांधी ने साफ निर्देश दिया है कि कोई भी मौजूदा लोकसभा सांसद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। इस फैसले से के. सुधाकरन और शफी परम्बिल जैसे कद्दावर नेताओं को बड़ा झटका लगा है। नेतृत्व का तर्क है कि सांसदों के चुनाव लड़ने से अनावश्यक उपचुनाव का बोझ बढ़ता है और मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भ्रम पैदा होता है। टिकट वितरण की इस खींचतान में गुटबाजी भी हावी नजर आई।

देश के 17 राज्यों का मौसमः 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और झमाझम होगी बारिश

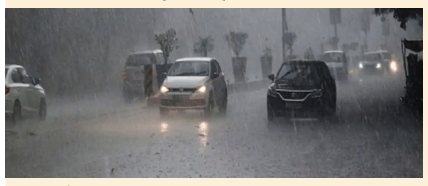

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के बड़े हिस्से में मौसम ने खतरनाक करवट ली है। गर्मी की आहट के बीच अचानक आए इस बदलाव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पटना, कोलकाता और मध्य प्रदेश तक बादलों के डेरे और बारिश ने तापमान में भारी गिरावट दर्ज की है। मौसम विभाग ने अब देश के 17 राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसमें अगले 48 से 72 घंटों के दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट शामिल है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अचानक आए बदलाव की मुख्य वजह एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी का मिलन है। इस संयुक्त प्रभाव के कारण उत्तर भारत के साथ-साथ पश्चिमी और मध्य भारत में भी मौसम असामान्य बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में दोपहर होते ही तेज धूप घने बादलों में छिप रही है, जिससे सड़क यातायात और विमान सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में देखी जा रही है। यूपी के कई जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है, जबकि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले झोंकों से भूस्खलन और बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गिरिराज जी के किए दर्शन नंगे पांव चलकर शुरू की सप्तकोसी परिक्रमा

एजेंसी। मथुरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मथुरा दौरे के तीसरे दिन शनिवार की सुबह ब्रजभूमि की आध्यात्मिक ऊर्जा में पूरी तरह सराबोर नजर आईं। गोवर्धन पहुंचकर उन्होंने गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा का शुभारंभ नंगे पांव किया और श्रद्धा, आस्था व सादगी का अनूठा संदेश दिया। राष्ट्रपति के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे। परिक्रमा प्रारंभ करने से पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने दानघाटी मंदिर पहुंचकर गिरिराज जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दूध अर्पित किया। इस दौरान पूरा वातावरण "गिरिराज महाराज की जय" के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धा का चरम उस समय देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने नंगे पांव परिक्रमा मार्ग पर कदम रखे। कुछ दूरी पैदल चलकर उन्होंने आस्था और सादगी

का संदेश दिया। इसके बाद वे गोल्फ कार्ट में सवार हुईं और परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ीं। उनके साथ आगरा मंडल के कमिश्नर नगेंद्र प्रताप भी थे। वहीं दूसरी गोल्फ कार्ट में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, जनपद के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह और गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह सवार रहे। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गोवर्धन और राधाकुंड नगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया था।

पश्चिम एशिया संकट केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषयः राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया एक संकट के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में लगातार हमले हो रहे हैं और यह केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस पर भारत का पक्ष साफ है कि मामला बातचीत व कूटनीति से हल किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संभावित ऊर्जा या खाद संकट से निपटने में प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। सिंह ने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सूझबूझ के आधार पर वैश्विक संकट से भारत को दूर रखा है लेकिन भविष्य में इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पैदा हुए संकट को दूर करने के लिए जो भी कोशिश की जा रही है, उसका उत्तराखंड वासियों के द्वारा भी उसका समर्थन किया जाना चाहिए। राजनाथ ने कांग्रेस पर निशाना

साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाने के साथ संवैधानिक व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनाव हारती है, तब ये लोग ईवीएम को दोष देते हैं। कभी चुनाव आयोग को दोष देते हैं। ईसी से लेकर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) तक लगभग हर संस्था तब कठघरे में खड़ी कर दी गई जब उसके फैसले कांग्रेस के अनुमानों के विपरीत निकलते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने विकास को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया है। तेजी से विकास कार्य किए हैं। धामी सरकार ने चार वर्षों में जो कार्य किए हैं, उसके आधार पर अब धामी को धाकड़ धामी नहीं बल्कि धुंरधर धामी कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य में विकास हुए हैं उसे वे उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का साधारण अध्याय नहीं मानते, बल्कि उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय मानते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को सुरक्षित रखने के साथ इसकी पवित्रता महत्वपूर्ण हैं और धामी सरकार इस दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है।

मां चंद्रघंटा की महिमा पर पीएम का संस्कृत संदेश, देशवासियों के लिए की मंगलकामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देवी मां चंद्रघंटा की आराधना करते हुए एक संस्कृत सुभाषित साझा किया और देशवासियों के सुख, समृद्धि और सौभाग्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए लिखा कि माता सभी को शक्ति, समृद्धि और सौभाग्यपूर्ण जीवन का आशीर्वाद दें। उन्होंने देवी के दिव्य स्वरूप का वर्णन करते हुए संस्कृत श्लोक भी साझा किया

"पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥"

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि सिंह पर आरूढ़ और विभिन्न शस्त्रों से सुसज्जित मां चंद्रघंटा अपने भक्तों के कष्टों का नाश करती हैं और उन्हें साहस व शक्ति प्रदान करती हैं। उन्होंने प्रार्थना की कि माता की कृपा से हर व्यक्ति का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण हो।

सड़क हादसे में फरसा वाले बाबा की मौत पर भीड़ ने किया पथराव, सेना ने संभाला मोर्चा

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले की कोसीकलां थाना क्षेत्र में फरसा वाले बाबा से मशहूर गौ सेवक चंद्र शेखर की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। उनके मौत के बाद बिगड़े तनावपूर्ण माहौल को शांत कराने के लिए सेना को बुलाना पड़ा। सेना के सूझबूझ से फिलहाल शहर के हालात काबू में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। इसी बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने शनिवार को अपना बयान जारी कर बताया कि गौरक्षक की सड़क हादसे में मौत हुई है। एसएसपी ने बताया कि कोसीकलां थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात करीब तीन से चार बजे के बीच में चंद्रशेखर उर्फ

फरसा बाबा ने एक वाहन को संदिग्ध मानकर रोका। घना कोहरा होने के कारण पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। बाबा ने जिस वाहन को रोका था, उसमें किराने का सामान पाया गया। वहीं, जिस ट्रक से हादसा हुआ है वो राजस्थान का नंबर है उसमें तार लदा हुआ था। हादसे में ट्रक के चालक और परिचालक अलवर के रहने वाले हैं।

भारत की जमीन से ईरान पर हमले की अनुमति का दावा फर्जी : विदेश मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल उस दावे को पूरी तरह खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका को भारत की जमीन से ईरान पर हमले के लिए अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने इसे भ्रामक और निराधार बताते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक फैक्ट-चेक इकाई ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी भी देश को अपनी धरती का उपयोग किसी तीसरे देश पर सैन्य कार्रवाई के लिए करने की अनुमति नहीं दी है। इस तरह की खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

Ministry of External Affairs
Government of India

विदेश मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। यह भ्रामक दावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सामने आया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने पश्चिमी भारत से ईरान पर बमबारी के लिए सैन्य संसाधनों के इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। इस दावे को भारत-अमेरिका के बीच हुए एलईएमओए (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ़ एग्रीमेंट) से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, एलईएमओए एक लॉजिस्टिक सहयोग समझौता है, जिस पर भारत और अमेरिका ने 2016 में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों का उपयोग ईंधन भरने, मरम्मत, रसद आपूर्ति, संयुक्त अभ्यास और मानवीय सहायता जैसे कार्यों के लिए कर सकते हैं। एलईएमओए किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई या तीसरे देश पर हमले की अनुमति नहीं देता है। यह केवल एक सहायक व्यवस्था है और इसका उपयोग पूरी तरह सहमति और जरूरत के आधार पर होता है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026: पाकिस्तान बना दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के बदलते स्वरूप और इसके प्रभाव को लेकर जारी की गई ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स (जीटीआई) 2026 की रिपोर्ट ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान अब दुनिया का सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश बन गया है। इस सूची में पाकिस्तान ने बुर्किना फासो को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 पाकिस्तान के लिए पिछले एक दशक का सबसे खराब साल रहा, जहां 1,045 आतंकी घटनाओं में 1,139 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति (स्टेट पॉलिसी) का

हिस्सा बनाने वाले पाकिस्तान को अब अपने ही बोए हुए कांटों का दंश झेलना पड़ रहा है। रिपोर्ट में इस गिरावट का मुख्य कारण 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी को बताया गया है, जिसके बाद से सीमा पार आतंकी गतिविधियों को नई ऊर्जा मिली है। विशेष रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अफगान धरती का इस्तेमाल लॉन्चपैड के रूप में करते हुए पाकिस्तान में हमलों की झड़ी लगा दी है। साल 2025 में टीटीपी के हमलों में 24 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की सक्रियता और जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण जैसी घटनाओं ने स्थिति को और भयावह बना दिया है। रिपोर्ट बताती है कि दक्षिण एशिया अभी भी दुनिया का सबसे संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है, लेकिन यहां कुछ देशों ने मिसाल भी पेश की है। जहां फरवरी 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं, वहीं नेपाल ने लगातार तीसरे साल शून्य आतंकी घटना के साथ अपनी शांति बरकरार रखी है। बांग्लादेश ने भी 2025 में आतंकी हमलों में 100 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर दुनिया को हैरान किया है।

एनबीए ने 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' पर विशेषज्ञ समिति का किया गठन

नई दिल्ली। भारत की पारिस्थितिकी और कृषि के लिए गंभीर खतरा बन चुकी 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' से निपटने के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह कदम राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त निर्देशों और पर्यावरण मंत्रालय की सलाह के बाद उठाया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय एनजीटी की ओर से (मूल आवेदन संख्या 162/2023) पर लिए गए स्वतः संज्ञान के बाद आया है। अधिकरण ने चिंता जताई थी कि विदेशी प्रजातियां न केवल हमारी देशी जैव विविधता को नष्ट कर रही हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, कृषि और मानव स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही हैं। इसी के मद्देनजर एनबीए को व्यापक अध्ययन और रणनीतिक योजना बनाने का निर्देश दिया गया था। इस समिति की अध्यक्षता आईएफएस (सेवानिवृत्त), पूर्व पीसीसीएफ और उत्तराखंड के वन बल प्रमुख धनंजय मोहन कर रहे हैं जबकि केरल मत्स्य एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ए. बीजू कुमार सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास ख़बर

ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का निधन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना एवं गुरु मायाधर राउत की पुत्री मधुमिता राउत का शनिवार सुबह यहां के एक निजी अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया। वह 59 वर्ष की थीं। मधुमिता के परिवार ने यह जानकारी दी। मधुमिता ने कम उम्र में ही नृत्य सीखना शुरू कर दिया था और वे दिल्ली स्थित 'जयंतिका-मायाधर राउत स्कूल ऑफ ओडिसी डांस स्कूल' की निदेशक के रूप में नई पीढ़ी को प्रशिक्षण दे रही थीं।मधुमिता राउत नीदरलैंड के एक मंदिर में प्रदर्शन करने वाली पहली ओडिसी कलाकार बनीं और रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखने के प्रति अपने रचनात्मक दृष्टिकोण और समर्पण से दुनिया भर के नृत्यांगनाओं को प्रेरित किया।उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओडिसी नृत्य के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उन्हें भारत निर्माण (1997) और ओडिशा लिविंग लीजेंड (2011) जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।--

हत्या के मामले में पिछले ढाई साल से फरार आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) यूनिट ने 50 हजार रुपये के इनामी और भगोड़े आरोपित को गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2023 के सरिता विहार इलाके में हुए एक हत्या कांड में वांछित था और पिछले ढाई साल से लगातार फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहूल अलवाल ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान अतोनु हल्दर उर्फ अतुल हल्दर (23) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दिल्ली के सरिता विहार का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ वर्ष 2023 में दर्ज हत्या के मामले (एफआईआर संख्या 491/2023) में कई गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। इस मामले की क्रूरता ने उस समय पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, 15 सितंबर 2023 को एक 15 वर्षीय छात्र ने शिकायत दी थी कि उसके पिता का पहले कुछ लोगों से विवाद हुआ था। उसी रात 7-8 हमलावर बाइक पर सवार होकर उसके घर पहुंचे और उसके पिता पर चाकू, डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने पड़ोसी के घर में घुसकर भी पीड़ित को नहीं छोड़ा और हमला जारी रखा। बीच-बचाव करने आई उसकी मां को भी घायल कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अतोनु हल्दर लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम की महीनों की मेहनत और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपित का सुराग निकाला। जांच में पता चला कि वह बार-बार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा है। आखिरकार उसकी लोकेशन गुजरात के गांधीनगर में ट्रेस की गई। इसके बाद इंस्पेक्टर महिपाल के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वारदात के बाद वह पहले मुंबई भाग गया, जहां करीब एक साल तक छिपा रहा। इसके बाद वह प्रयागराज गया और अंत में गुजरात में जाकर रहने लगा। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने और काम बदलता रहा।

उत्तम नगर में तनाव के बीच ईद शांतिपूर्ण, थाने के बाहर हंगामा; 40 से ज्यादा लोग हिरासत में

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तम नगर इलाके में शनिवार को एक ओर जहां ईद-उल-फितर का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया, वहीं दूसरी ओर थाने के बाहर हंगामे की स्थिति देखने को मिली। बीच-बीच में "जय श्री राम" के नारे लगाए जाने से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, ईद के मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज के बाद लोगों ने आपस में गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। प्रशासन और पुलिस की कड़ी निगरानी के चलते पूरे इलाके में त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। किसी भी संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की थी। करीब 1500 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, जबकि 400 से अधिक पैरामिलिट्री बल के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। इसके अलावा 100 से ज्यादा चेकिंग प्वाइंट बनाए गए थे। ड्रोन के जरिए निगरानी रखी गई और ऊंची इमारतों पर भी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। पुलिस ने भड़काऊ सामग्री और बयानबाजी पर सख्ती दिखाते हुए 68 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को बंद कराया है। साथ ही एहतियात के तौर पर मीडिया के इलाके के अंदर प्रवेश पर अस्थायी रोक लगाई गई है। नजफगढ़ से उत्तम नगर आने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग कर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वाहनों की तलाशी ली जा रही है और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुबह नमाज के दौरान स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में रही। स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के चलते कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। हालांकि, कुछ संगठनों द्वारा नारेबाजी की कोशिश की गई, जिसे पुलिस ने तुरंत नियंत्रित कर लिया। फिलहाल थाने के बाहर जारी हंगामे को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार इलाके का दौरा कर रहे हैं और हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड आधुनिकीकरण भारत-अफ्रीका सहयोग की कुंजी: मनोहर लाल

इस शिखर सम्मेलन में भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक का आयोजन किया गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण और संस्थागत क्षमता भारत-अफ्रीका सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में उभरे हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026' के दौरान 'भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और अफ्रीका, जो मिलकर दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये समावेशी, न्यायसंगत और भविष्य के लिए तैयार विकास के साझा लक्ष्य रखते हैं। 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026' के तीसरे दिन 'भारत-अफ्रीका स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप मीट' में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिजली आर्थिक विकास को गति देने, सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने और नए अवसर खोलने के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' की अवधारणा को वैश्विक ऊर्जा कनेक्टिविटी के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण और संस्थागत क्षमता निर्माण भारत-अफ्रीका सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं। मनोहर लाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक विकास को गति देने, गरिमा सुनिश्चित करने और अवसरों को खोलने के लिए बिजली महत्वपूर्ण है। इस बैठक में यह भी तय हुआ कि भारत और अफ्रीका नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार, जुड़े हुए ग्रिड सिस्टम, ऊर्जा स्टोरेज तकनीक और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि भारत-अफ्रीका साझेदारी को अब केवल विचार से आगे बढ़ाकर जमीन पर लागू करने की जरूरत है। उन्होंने सभी के लिए सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके अलावा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में टिकाऊ विकास और बेहतर जल प्रबंधन को प्रगति का अहम आधार बताया। इस मौके पर अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिन ने कहा कि अफ्रीका को मदद नहीं, बल्कि निवेश की जरूरत है, जिससे बेहतर परिणाम और विकास हासिल किया जा सके। उन्होंने बताया कि अफ्रीका अब निवेश योग्य परियोजनाओं, ट्रांसमिशन विस्तार और निजी निवेश बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत विद्युत शिखर सम्मेलन 2026 के तीसरे दिन नई दिल्ली में भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने की। इस बैठक में विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मलावी सरकार के ऊर्जा एवं खनन मंत्री डॉ. जीन मथांगा, अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिस, कई अफ्रीकी देशों के मंत्री, अफ्रीकी संघ और अफ्रीका 50 के नेता, राजदूत, उच्चायुक्त, विद्युत कंपनियों के प्रतिनिधि, वित्तीय संस्थान, विकास भागीदार और उद्योग जगत के नेता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाले दिल्ली के युवाओं को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) में सफलता हासिल करने वाले युवाओं ने अपनी मेहनत और संकल्प से दिल्ली का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित 'दिल्ली के गौरव – यूपीएससी अचीवर्स अभिनंदन समारोह 2026' में सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह सफलता दिल्ली की उस संभावनाओं से भरी संस्कृति का प्रतीक है, जिसने युवाओं को उनके सपनों को साकार करने का मंच दिया। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर सफल उम्मीदवारों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिवारजनों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि परिवार के त्याग, विश्वास और सहयोग के बिना इस तरह की उपलब्धि संभव नहीं हो पाती। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब उनके जीवन का अगला चरण और भी चुनौतीपूर्ण होगा, जहां उन्हें अपनी प्रतिभा, क्षमता और ज्ञान का उपयोग जनसेवा के लिए करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये सभी युवा संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और देश के विकास तथा राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए युवाओं और उनके परिवारों ने कई त्याग किए हैं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही इस सफलता की कुंजी है। मुख्यमंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया।

राजौरी गार्डन में 'फिल्मी स्टाइल' अपहरण-लूट का खुलासा, एक गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में हुए अपहरण और 40 लाख रुपये की लूट के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा किया है। इस वारदात को 'फिल्मी स्टाइल' में अंजाम दिया गया था, जिसमें आरोपित खुद को पुलिस कर्मी बताकर पीड़ितों को अगवा कर ले गए थे। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपितों की पहचान कर ली गई है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त शरद भास्कर दराडे ने शनिवार को बताया कि 19 मार्च को सागर शर्मा ने शिकायत दी थी कि वह अपने भाई मणिक के साथ राजौरी गार्डन स्थित मेट्रो पिलर नंबर-167 के पास सोने-हीरे के आभूषणों के भुगतान के लिए एक परिचित से मिलने गया था। इसी दौरान दो युवक उनकी कार में जबरन घुस गए और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर दोनों भाइयों को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया। आरोपितों ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट की और उन्हें उनकी ही कार में बैठाकर जीटी करनाल रोड की तरफ ले गए। रास्ते में आरोपितों ने 40 लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन, एप्पल वॉच, ज्वेलरी और कार लूट ली। बाद में दोनों भाइयों को हरियाणा के शाहबाद इलाके में छोड़कर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए राजौरी गार्डन थाने की टीम ने तुरंत जांच शुरू की। इंस्पेक्टर रविंदर जोशी के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय इंटेलिजेंस के जरिए मामले का

खुलासा करते हुए आरोपित हरीश शर्मा उर्फ रिंकू (48) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि हरीश शर्मा पहले से ही पीड़ित का जानकार था और उसके साथ सोने-हीरे के कारोबार में लेन-देन करता था। आरोपित ने अपने साथी चेतन उर्फ गुरप्रीत सिंह रंधावा के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। एक दिन पहले ही उसने बहाने से पीड़ित से ज्वेलरी अपने पास ले ली थी और फिर नकली पुलिस कार्रवाई दिखाकर पूरी लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, यह पूरी घटना सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थी। फिलहाल लूटी गई नकदी, ज्वेलरी, वाहन और अन्य सामान की बरामदगी के लिए प्रयास जारी हैं।

गैंगस्टर-आर्म्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, सात आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हाई-प्रोफाइल गैंगस्टर और अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस ऑपरेशन में कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, नकदी, सोना-चांदी, लग्जरी घड़ियां और एक मॉडिफाइड बुलेटप्रूफ स्कॉर्पियो बरामद की है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस की टीमों ने यह संयुक्त कार्रवाई अलीपुर थाना और एएटीएस के साथ मिलकर की।

अलीपुर में छापा, मास्टरमाइंड समेत 4 गिरफ्तार: पुलिस उपायुक्त के अनुसार 19 मार्च को पुलिस को ताजपुर कलां गांव में हथियारबंद अपराधियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद एसएचओ अलीपुर के नेतृत्व में टीम ने छापा मारकर पहले अमित (37) को उसकी किआ सोनेट कार के साथ पकड़ा। जिसके पास से हथियार और कारतूस मिले। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मकान में दबिश देकर गैंग के सरगना प्रदीप उर्फ नीतू उर्फ सहवाग (37) को दबोचा। साथ ही उसके दो साथी साहिल (26) और विकास (25) को भी पकड़ा गया। इस बीच पुलिस ने एक मॉडिफाइड काली स्कॉर्पियो, जिसे बुलेटप्रूफ बनाया गया था। इसके अलावा शॉटगन, 2 पिस्टल, 1 रिवॉल्वर, 22 जिंदा कारतूस (विभिन्न बोर), 19,78,850 नकद, 916 ग्राम सोना और 940 ग्राम चांदी, 13 लग्जरी घड़ियां, 27 मोबाइल फोन और 2 लैपटॉप (ऑनलाइन सट्टेबाजी में इस्तेमाल) और एक किआ सोनेट कार बरामद की।

टिल्लू गैंग से जुड़ा मास्टरमाइंड: मुख्य आरोपित प्रदीप इलाके का 'घोषित बदमाश' है और उसके खिलाफ पहले से 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह टिल्लू गैंग का सक्रिय सदस्य है और सट्टेबाजी, फाइनेंसिंग व प्रॉपर्टी डीलिंग के जरिए नेटवर्क चला रहा था। उसके साले विकास और रिश्तेदार साहिल हरियाणा के करनाल से आकर वसूली का काम संभालते थे।

एएटीएस की कार्रवाई: अवैध हथियार सौदे का भंडाफोड़: वहीं दूसरे मामले में 14 मार्च को एएटीएस टीम को बावाना इलाके में हथियारों की डील की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई की, जिसमें दो आरोपित मौके पर पकड़े गए, जबकि एक बाद में गिरफ्तार हुआ। गिरफ्तार आरोपितों में रवि सिंह (29), मोहम्मद साहिल (25) और मोहम्मद अकरम उर्फ साहिल (22) शामिल हैं। पुलिस ने इनसे पांच देसी पिस्टल, दो रिवॉल्वर, एक शॉटगन, दो देशी कट्टे, 5 मैगजीन, 30 से ज्यादा जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है।

पूरे नेटवर्क की जांच जारी: पुलिस के अनुसार, आरोपित सुनसान जगहों पर हथियारों की डील करते थे और पकड़ से बचने के लिए लगातार लोकेशन बदलते थे। इस पूरे नेटवर्क के फाइनेंशियल लिंक और अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह कार्रवाई संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी सफलता है, जिससे राजधानी में अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में ईद-उल-फितर का पर्व पूरी अकीदत के साथ मनाया गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली में ईद उल फितर का पर्व पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जा रहा है। आज सुबह मुसलमानों के जरिए नमाज-ए-दोगाना अदा कर विश्व में शांति और देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने ईद की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर मस्जिद में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद इमाम अहमद बुखारी ने विशेष दुआएं कीं। मस्जिद प्रांगण, सीढ़ियों और सड़क पर भी लोगों को नमाज पढ़ते हुए देखा गया। पुरानी दिल्ली की एक और शाही मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने विश्व में व्याप्त अशांति के माहौल का जिक्र

करते हुए शांति स्थापित करने की मांग की। उन्होंने विश्व में शांति, देश में खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआ की। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। उधर रानी झांसी रोड स्थित शाही ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज का आयोजन किया गया। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। एंग्लो अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की गई, जहां पर नमाजियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किया गया था। इसके साथ ही दिल्ली के सभी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों के मोहल्लों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया की मस्जिद और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की मस्जिद में भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। पुरानी दिल्ली के अलावा यमुना पार के लक्ष्मी नगर, शकरपुर, झील, खुरेजी, ताज एनक्लेव, शास्त्री पार्क, सीलमपुर, वेलकम, शाहदरा, नंदनगरी, सीमापुरी, मौजपुर, मुस्तफाबाद, करावल नगर, त्रिलोकपुरी, कल्याण पुरी, मयूर विहार, वसुंधरा, सराय काले खां, जामिया नगर, बटला हाउस, अबुल फजल एनक्लेव, बदरपुर, तुगलकाबाद, संगम विहार, हमदर्द नगर , मदनगीर, खानपुर, हौज रानी, महरौली, साकेत वसंत कुंज,वसंत विहार के साथ-साथ बाहरी दिल्ली के क्षेत्र में स्थित मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की है। इस मौके पर मस्जिदों के बाहर गुब्बारे और खिलौने आदि बेचने वालों की कतार देखने को मिली जहां बच्चों को खुशी-खुशी खरीदारी करते हुए भी देखा गया।

बीकानेर हाउस में आयोजित राजस्थान उत्सव में निकाली गई गणगौर की सवारी

राजस्थानी परिधानों में महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ की गणगौर की आराधना

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में परिसर में 25 मार्च, 2026 तक चलने वाले 11 दिवसीय राजस्थान उत्सव में शनिवार को गणगौर की सवारी बड़ी धूमधाम से निकाली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजु ओमप्रकाश ने बताया कि गणगौर सवारी में लगभग 200 महिलाओं ने मंगल कलश यात्रा के दौरान सिर पर घड़ा और नारियल रखकर पूरे बीकानेर हाउस परिसर का भ्रमण किया। सवारी की अगुवाई राजस्थानी लोककलाकारों ने मशक वादन, कच्छी घोड़ी आदि अपनी कला प्रदर्शन से की। इसके

उपरांत सैकड़ों महिला-पुरूषों ने अलग-अलग परिधानों में सवारी में सम्मिलित होकर मंगल गायन कर गणगौर उत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर ईसर और गौरी की मूर्तियॉ स्थापित कर उन्हें सजाकर उनकी आराधना की गई। उन्होंने बताया कि शनिवार को अवकाश होने के कारण दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए आगंतुकों ने राजस्थान उत्सव में लगे राजस्थानी व्यंजनों के साथ राजस्थानी हस्त-कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की खूब खरीदारी की। उल्लेखनीय है कि गणगौर उत्सव राजस्थान के मुख्य उत्सवों में से एक उत्सव है जिसमें देवी पार्वती गौरी और भगवान शिव को समर्पित है जो अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन का प्रतीक है। गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती है।

सांस्कृतिक संध्या 'लोक रंग' का आयोजन–गणगौर सवारी के उपरांत आगंतुकों के मनोरंजन के लिए राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से बीकानेर हाउस में सांस्कृतिक संध्या 'लोक रंग' का भी आयोजन किया गया। जिसमें गफरूद्दीन मेवाती ने अपने भपंग वादन से दर्शकों का मनमोहा। संध्या की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। इसके उपरांत केसरिया बालम, चरी नृत्य, कच्छी घोड़ी नृत्य, खारी नृत्य, रिम भवई नृत्य, घूमर नृत्य और राजस्थानी समूह नृत्य ने भी उपस्थित सभी आगंतुकों को मंत्रामुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव भारत सरकार, श्री अंकन चौधरी, संयुक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती रिंकू मीना के साथ श्रीमती छवी पंत, रितु सिंह उपस्थित रहे

संक्षिप्त समाचार

नव निर्माण के 9 वर्षः 2028 तक मत्स्य उत्पादन में बड़ी छलांग लगाएगा यूपी

» मत्स्य बीज व मत्स्य आहार में आत्मनिर्भरता भी होगी
» प्रसंस्करण व मूल्यसंवर्धन के लिए 30 कंपनियां करेंगी 1400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश

लोकतंत्र की शान : लखनऊ : योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में वर्ष 2028 तक मत्स्य उत्पादन में बड़ी छलांग लगाएगा। मत्स्य विकास में निवेश परियोजनाओं को गति दिए जाने से राज्य में मत्स्य उत्पादन का आंकड़ा तीन वर्ष के भीतर 13.30 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 18 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है। इतना ही नहीं प्रदेश वर्ष 2028 तक मत्स्य बीज व आहार के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य भी प्राप्त कर लेगा।

जल्द ही 30 कंपनियां करेंगी 1400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश –30 कंपनियां मत्स्य क्षेत्र में 1407 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं, जिससे प्रदेश के दो हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। ये कंपनियां वाराणसी, बाराबंकी, अमेठी समेत कई जनपदों में जल्द निवेश करेंगी। गत मीन महोत्सव में मत्स्य विभाग को 1200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले, जबकि पिछले दिसंबर में हुए मत्स्य निवेश शिखर सम्मेलन में भी 207 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। मीन महोत्सव (27-28 फरवरी) में मिले निवेश प्रस्तावों के मुताबिक औरो सुंदरम फूड्स एंड फीड्स प्राइवेट लिमिटेड 300 करोड़ रुपये वाराणसी में निवेश करेगी। इसी तरह, प्रोबस स्मार्ट थिंक्स प्राइवेट लिमिटेड, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड तथा नेक्सजेन कंपनियां 200-200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। दीपक नेक्सजेन फीड्स प्राइवेट लिमिटेड ने बाराबंकी में 100 करोड़ रुपये निवेश करने की इच्छा जताई है। आंध्र प्रदेश की नेक्सजेन फीड्स प्राइवेट लिमिटेड प्रदेश में फिश प्रोसेसिंग प्लांट लगाएगी। कंपनी ने उत्तर प्रदेश में 200 करोड़ रुपये निवेश करने की इच्छा जताई है। ये सभी कंपनियां 2028 तक चालू होकर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोलेगी।

मत्स्य योजनाएं किसानों को बना रही आत्मनिर्भर–मत्स्य योजनाओं से उत्पादकों को अधिकाधिक लाभ सुनिश्चित कराने के लिए चंदौली में 62 करोड़ रुपये से अत्याधुनिक फिश मार्केट स्थापित किया गया है। ग्रामसभा के तालाबों में मत्स्य पालन के लिए निवेश अनुदान व मत्स्य बीज बैंक की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अब तक 1328.335 हेक्टेयर तालाबों में 1580 मत्स्य पालकों को अनुदान दिया गया। 2025-26 में अब तक 148 हेक्टेयर तालाबों में सहायता प्रदान की जा चुकी है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष, दुर्घटना-बीमारी से सुरक्षा कवच समेत अनेक योजनाओं के जरिए डबल इंजन सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है। इसके साथ ही विश्व बैंक के सहयोग से 1 लाख से अधिक मछुआरा परिवारों को भी यूपीएग्रीज परियोजना का लाभ दिया जाएगा।

एमबीबीएस छात्रों ने 'नवाचारी शिक्षण विधियों' से दिखाया विज्ञान का जादू

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के बायोकेमिस्ट्री विभाग की तरफ से शनिवार को एक विशेष शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन किया गया। इसमें एमबीबीएस छात्रों ने वैज्ञानिक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए 'नवाचारी शिक्षण विधियों' से विज्ञान का जादू दिखाया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पोस्टर, मॉडल और रंगोली के माध्यम से बायोकेमिस्ट्री के कठिन सिद्धांतों को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां रटने की परम्परा को तोड़ती हैं और भविष्य के डॉक्टरों में नवीन सोच विकसित करती हैं। पोस्टर, मॉडल एवं रंगोली में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर प्रतिभा का सम्मान किया गया। विजेताओं की घोषणा डॉ अनुपमा ओझा, डॉ ओंकार तिवारी एवं डॉ. रश्मि जैसवाल ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. वर्षा मोगाची, डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति, डॉ. रोहित अलानी, डॉ. राजेश दासराजू, डॉ. गीता गुप्ता डॉ. रामप्रभा, डॉ. चंदन, डॉ. विद्या सागर एवं डॉ. राजीव सक्सेना शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. तेजस्विनी मुपल्ला ने किया। यह पहल एमबीबीएस प्रथम बैच के छात्रों के बीच रचनात्मक वैज्ञानिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई थी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की ट्रेन में बिगड़ी तबीयत, मौत

लोकतंत्र की शान : औरैया। गोमती एक्सप्रेस से दिल्ली से लखनऊ जा रहे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना से सहयात्रियों में हड़कम्प मच गया। सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ के आलमबाग निवासी मानवेंद्र सिंह (50) शुक्रवार रात करीब 10 बजे गोमती एक्सप्रेस के कोच नंबर डी1 में सीट संख्या 48 पर सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। सहयात्रियों द्वारा रेलवे कंट्रोल को सूचना दी गई, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें ट्रेन से उतारकर दिबियापुर स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रेलवे पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी अजीत सिंह व हेड कांस्टेबल सत्यपाल सिंह और छबि राम सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण हृदय गति रुकना प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। बताया गया कि मृतक नोएडा की एक निजी कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उनके छोटे भाई मुंबई में बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर हैं। घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मृतक अपने पीछे दो बेटियों को छोड़ गए हैं।

सपनों से सितारों तक- अब्बास सय्यदा की उड़ान उच्च प्राथमिक विद्यालय

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी-2 की होनहार छात्रा अब्बास सय्यदा ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम से एक नई ऊँचाई हासिल की है। अब्बास सय्यदा क़े पिता का नाम ज़ाकिर रज़ा व माता का नाम दराकशा ज़हरा है। अब्बास सय्यदा संभल ज़िलें क़े छोटे से कज़्बे सिरसी की रहने वाली हैं। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में उनका जनपद लेवल पर चयन होना उनकी लगन और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।वह अब हवाई जहाज़ से श्रीहरिकोटा की यात्रा करेंगी। श्रीहरिकोटा भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतरिक्ष केंद्र है। इसका पूरा नाम सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) है। यह आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में, बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित एक द्वीप पर है।यहाँ से भारत के अधिकांश रॉकेट और उपग्रह लॉन्च किए जाते हैं।यह ISRO का प्रमुख लॉन्च सेंटर है।पहले इसे श्रीहरिकोटा कहा जाता था। यहीं से भारत ने अपने प्रसिद्ध मिशन-चंद्रयान मिशन और मंगल मिशन लॉन्च किए। यह उपलब्धि उनके लिए एक सुनहरा अवसर है, जो उन्हें नए अनुभवों और ज्ञान की दुनिया से जोड़ने वाला है। उनकी यह सफलता न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। इस गौरवपूर्ण क्षण पर विद्यालय में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। इस उपलब्धि में विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका मधुलिका सिंह, प्रधानाध्यापिका निगहत ज़ैदी, सहायक अध्यापिका खुशबू अग्रवाल एवं उषा देवी सहित समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से यह सफलता संभव हो पाई है। विद्यालय परिवार की ओर से अब्बास सय्यदा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ। आपकी यह सफलता आने वाले समय में अनेक बच्चों के लिए प्रेरणा की किरण बनेगी।

ईद का त्योहार आपसी भाईचारे और प्यार का संदेश देता है : कृष्ण कुमार शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

ईद उल फितर के मुबारक मौके पर तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम बुरावली में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रिफाकत चौधरी के आवास पर आयोजित ईद मिलन समारोह में पहुंचे राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने सभी मुस्लिम भाइयों को ईदुलफितर की मुबारकबाद देते हुए कहा कि ईद केवल उपवास (रोजे) के अंत का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह पवित्रता भाईचारे और परोपकार का संदेश देता है। रमजान के पूरे महीने की इबादत के बाद आज जो खुशियां और मिठाइयां बांटी जा रही हैं वे हमारे दिलों को जोड़ने का काम करती हैं। भारत एक ऐसा देश है जहां विविधता ही हमारी ताकत है। आज हम सबको मिलकर दुआ करनी चाहिए जिससे अपने देश के साथ दुनिया में अमन चैन, और भाईचारा बना रहे। संयुक्त राष्ट्र संघ से अपील करते हैं कि दुनिया में चल रहे युद्ध जैसे हालात को समाप्त करके वहां बातचीत के बाद शान्ति स्थापित हो आगे कहा कि यह त्यौहार हम सबके जीवन में खुशहाली, और कामयाबी लेकर आए। इस अवसर पर रिफाकत चौधरी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बिंग आर एस एस, महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, निशात चौधरी, नौशाद, शाकिब, फरमान, छुट्टन, इरफान, मतलूब , फराहीम, शेर अली, सरफराज आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव : सूची से हटाए जाएंगे 50 हजार से अधिक डुप्लीकेट वोटरों के नाम

लोकतंत्र की शान

मुरादाबाद। पंचायत चुनाव को लेकर जिले के बीएलओ ने करीब 4.64 लाख से अधिक डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया है। इसमें 50 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए हैं। इन वोटरों के नाम शीघ्र सूची से हटाए जाएंगे। वहीं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। वही 15 अप्रैल को अनंतिम सूची प्रकाशित होगी। चुनाव आयोग ने एआई के माध्यम से जांच कर 4.66 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। इसमें मुरादाबाद ब्लॉक के 38825, मूंढ़ापांडे ब्लॉक के 56046, भगतपुर टांडा ब्लॉक के 59099, ठाकुरद्वारा ब्लॉक के 48644, डिलारी ब्लॉक के 61898, बिलारी ब्लॉक के 64261, कुंदरकी ब्लॉक के 78779 और छजलैट ब्लॉक के 58553 मतदाता शामिल हैं। इस मामले में जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर 4.64 लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन कराया है। अभी लगभग दो हजार हजार मतदाताओं का सत्यापन करना बाकी है। सत्यापन के दौरान 50 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए हैं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन व उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने शनिवार को बताया कि डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सिर्फ दो हजार मतदाताओं का सत्यापन करना बाकी है। सत्यापन के दौरान मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। 15 अप्रैल को अनंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। --2021 की तुलना में 2026 में लगभग 18 हजार मतदाता बढे :सबसे पहले चुनाव आयोग ने 2.35 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। जांच के बाद पहले चरण में करीब 71 हजार डुप्लीकेट मतदाता पाए गए। सभी लोगों के नाम सूची से हटाए गए । 2021 की मतदाता सूची की तुलना में 2026 में लगभग 18 हजार मतदाता बढ़ गए हैं।

मुख्यमंत्री ने वीर बच्चों को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वीर बच्चों को सम्मानित किया। तेंदुआ के हमले से खुद को व परिवार को बचाने वाले इन बच्चों की प्रशंसा करते हुए सीएम योगी ने इन्हें समाज के लिए प्रेरक बताया। सीएम योगी ने वानिकी व वन्य जीव क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट के अंतर्गत दो लाभार्थी किसानों को चेक भी वितरित किए गए।

वीरता के पर्याय बने अच्छे लाल व तनु सिंह–सीएम ने बहराइच के 10 वर्षीय अच्छेलाल व प्रयागराज की तनु सिंह (18) को सम्मानित किया। अच्छेलाल 06 दिसम्बर 2025 को सायं 7 बजे अपने पिता के साथ साइकिल से खेत से वापस घर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में अचानक गन्ने के खेत से तेंदुआ ने हमला कर दिया। तेंदुआ से मुकाबला करते हुए अच्छे लाल ने बहादुरी का परिचय देते हुए खुद को बचाया, जिससे हतोत्साहित होकर तेंदुआ भाग गया। इसी प्रकार 8 जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छिवैया में रतन सिंह के घर में अचानक तेंदुआ घुस गया। कमरे में उपस्थित तनु सिंह ने साहस और सूझ-बूझ का परिचय दिया। तनु ने अपने साथ दो छोटे बच्चों को बाहर निकाला और तेंदुआ को कमरे में बन्द कर दिया, जिससे बिना जनहानि के तेंदुआ को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

वानिकी एवं वन्य जीव क्षेत्र में विभागीय कर्मचारी भी सम्मानित–मुख्यमंत्री ने वानिकी व वन्य जीव क्षेत्र में वन विभाग के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। सीएम के हाथों मुरादाबाद वन प्रभाग के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह, हमीरपुर वन प्रभाग के वन रक्षक सुनील कुमार गौंड, रामपुर वन प्रभाग के वन रक्षक शिवम कुमार व एटा वन प्रभाग की माली रीना शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

गोरक्षा व गो-आश्रय आत्मनिर्भरता में योगदान देने वाली विभूतियां होंगी सम्मानितः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गो-रक्षा एवं गो-आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि गोसेवा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न अंग है और इस क्षेत्र में समर्पित लोगों का सार्वजनिक सम्मान किया जाना चाहिए। शनिवार को गोसेवा आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ने निराश्रित गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रत्येक गोशाला में 'भूसा बैंक' की स्थापना पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्थानीय किसानों के साथ समन्वय स्थापित कर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा प्राकृतिक खेती से जुड़े किसानों को गो-आश्रय स्थलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी गो-आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और इसके लिए सीएसआर फंड के प्रभावी उपयोग की संभावनाओं पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और तकनीक आधारित निगरानी से व्यवस्थाएं और सुदृढ़ होंगी। मुख्यमंत्री ने गोसेवा आयोग के पदाधिकारियों एवं पशुधन विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। आयोग के पदाधिकारियों को 2-2 के समूह में मंडलवार भ्रमण कर 'भूसा बैंक' की स्थापना और गोचर भूमि के विस्तार कार्य को गति देने को कहा गया है। प्रत्येक भ्रमण की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग के भ्रमण में वरिष्ठ विभागीय अधिकारी भी होंगे। साथ ही, विभागीय मंत्री के नेतृत्व में राज्यव्यापी निरीक्षण और मुख्यालय स्तर से निदेशक द्वारा मासिक औचक निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि गो-संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती और सतत विकास का मजबूत आधार है। इस दृष्टि से गो-आश्रय स्थलों के संचालन में पारदर्शिता, तकनीक और जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। डीबीटी प्रणाली के माध्यम से समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने और प्रत्येक गो-आश्रय स्थल पर गोवंश की दैनिक संख्या का अनिवार्य रजिस्टर संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 7,527 गो-आश्रय स्थलों में 12.39 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। इनमें 6,433 अस्थायी स्थलों में 9.89 लाख, 518 वृहद गो-संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख, 323 कान्हा गो-आश्रयों में 77,925 तथा 253 कांजी हाउस में 13,576 गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 1.14 लाख लाभार्थियों को 1.83 लाख गोवंश सुपुर्द किए गए हैं, जिनके सत्यापन एवं समुचित भरण-पोषण के निर्देश दिए गए हैं।

व्यापारी सुरक्षा फोरम ने फोरम के दो लोगों के सभासद मनोनीत होने पर किया स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74 / 22 की एक बैठक सचिन गुप्ता के आवास पर संपन्न हुई जिसमें सरकार के द्वारा व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के दो पदाधिकारी को नगर पालिका परिषद हसनपुर में सभासद नामित किए जाने पर पंकज भटनागर और ज्योति गर्ग एवं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी जी का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया बैठक में व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74 / 22 के शपथ ग्रहण समारोह तथा स्थापना दिवस को भी अति भव्य रूप से संपूर्ण करने का संकल्प लिया, इस मौके पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे 1

बरेली की नसरीन ने बेकरी से बदली गांव की महिलाओं की तकदीर

लोकतंत्र की शान

बरेली। बरेली के फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के छोटे से गांव घंघोरा-घंघोरी की रहने वाली नसरीन बी आज एक ऐसी मिसाल बन चुकीं हैं, जिनकी कहानी चर्चा का विषय है। एक समय था जब नसरीन अपने परिवार के पालन-पोषण को लेकर चिंतित रहती थीं। लेकिन आज वह अपने दम पर न सिर्फ आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि गांव की 10 महिलाओं को रोजगार भी दिया। नसरीन बताती हैं कि उन्होंने सोचा भी नहीं था कि वह इतना नाम कमा पाएंगी। लेकिन जब उन्होंने "जनता" स्वयं सहायता समूह से जुड़कर काम शुरू किया, तो उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। योगी सरकार की मदद से हुई छोटी सी शुरुआत से शुरू हुआ यह सफर आज एक सफल बेकरी व्यवसाय में बदल चुका है, जहां रस्क, फैन और क्रीम रोल जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं।

सशक्त महिलाः लाभार्थी से उद्यमी बनने की प्रेरक कहानी–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के तहत नसरीन जैसी हजारों ग्रामीण महिलाओं को नई पहचान दी है। इसी योजना के तहत समूह गठन, बचत और वित्तीय सहायता के माध्यम से बहुत सी महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। 2022 में समूह को 15000 रुपये मिले और कुछ दिनों बाद 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी मिली। इस धन ने उनके व्यवसाय को मजबूत आधार दिया। इससे न सिर्फ उनका आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि उन्होंने अपने साथ गांव की 10 अन्य महिलाओं को भी जोड़ लिया। आज यह समूह हर महीने 1 लाख रुपये तक की आमदनी कर रहा है। यह केवल आय का साधन नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान का भी प्रतीक बन चुका है। योगी सरकार की योजनाओं ने इन महिलाओं को "लाभार्थी" से "उद्यमी" बना दिया है।'

सरकारी सहायता से बढ़ा कारोबार–सरकार द्वारा मिली इस सहायता से उन्होंने क्रीम रोल बनाने की मशीन लगाई, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ी और नए रोजगार के अवसर भी बने। नई तकनीक और प्रशिक्षण के जरिए नसरीन ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार किया और बरेली शहर तक सप्लाई शुरू कर दी। उन्होंने उत्पादों के लिए उचित मूल्य निर्धारण किया और बाजार की मांग के अनुसार अपने कारोबार को आगे बढ़ाया। यह उदाहरण दिखाता है कि जब सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किया जाए, तो छोटे स्तर का काम भी बड़े व्यवसाय में बदल सकता है।

ईद का पैगामः सिरसी और संभल में गूंजा भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश"

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

ससंभल /सिरसी स्थित शिया ईदगाह में ईद की नमाज़ बड़े ही अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। नमाज़ की इमामत इमाम-ए-जुमा सैयद हसीन अख्तर ज़ैदी ने की। इस मौके पर उन्होंने अपने ख़ुत्बे में कहा कि रमज़ान इबादत और सब्र का महीना था, जो अब गुजर चुका है, लेकिन मुसलमानों को चाहिए कि जिस तरह उन्होंने रमज़ान में इबादत की, उसी तरह पूरे साल अल्लाह की इबादत करते रहें, बुराइयों से दूर रहें और जरूरतमंदों की मदद करते रहें।उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में अमन और इंसाफ कायम रहे, इसके लिए दुआ करनी चाहिए और हर तरह के जुल्म के खिलाफ खड़े रहना चाहिए। वहीं दूसरी ओर संभल में चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान के आवास पर ईद मिलने वालों का तांता लगा रहा। उन्होंने लोगों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि समाज में आपसी भाईचारा और मोहब्बत बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी लोग एक-दूसरे के त्योहारों को खुशी के साथ मनाएं और किसी भी तरह का मनमुटाव दिल में न रखें। समाज की जिम्मेदारी है कि शांति और सौहार्द बनाए रखे। उन्होंने यह भी कहा कि ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि इंसानियत और मोहब्बत का पैगाम है, जो समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाता है। इस अवसर पर सिरसी शिया ईदगाह के मुतवल्ली चौधरी सैयद सीरत उरूज आलम मुमताज ने कहा कि "ईद हमें त्याग, प्रेम और इंसानियत का संदेश देती है। हमें चाहिए कि हम समाज में एकता को मजबूत करें और हर जरूरतमंद का सहारा बनें।" वहीं समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी सैयद फैज़ान अली नक़वी ने कहा कि "ईद का असली मकसद दिलों को जोड़ना है। हमें नफरत को मिटाकर मोहब्बत को फैलाना होगा, तभी समाज मजबूत बनेगा।"

उन्होंने आगे कहा कि–"आज के दौर में सबसे बड़ी जरूरत आपसी भाईचारे और एक-दूसरे के सम्मान की है, जिससे समाज में अमन और तरक्की कायम रह सके।" कुल मिलाकर ईद का यह पर्व सिरसी और संभल में भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम लेकर आया।

संक्षिप्त समाचार

ऑरी की गेंदबाजी पर ईशान किशन नहीं खेल पाए शॉर्ट, मैच प्रैक्टिस करते वीडियो किया शेयर

लोकतंत्र की शान : पटना। 28 मार्च से आईपीएल 2026 की शुरुआत हो रही है। इसमें बिहार के कई खिलाड़ी नजर आने वाले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन अपने मैच के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे सेलिब्रिटी ऑरी के साथ क्रिकेट के लिए प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। वह बैटिंग कर रहे हैं और ऑरी गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑरी ऐसा बॉल फेंकते हैं कि ईशान शॉट नहीं मार पाते हैं। इस बीच एक शख्स जाकर उनके कानों में कुछ कहता है, जिसके बाद वह एक शानदार शॉट मारते हैं और ऑरी अपना सर पकड़कर बैठ जाते हैं। इससे पहले ऑरी ने ईशान किशन के साथ एक फनी रील शेयर की थी। इसे शेयर करते हुए ऑरी ने कैप्शन में लिखा- 'वर्ल्ड कप चैंपियन है तो फ्री में फोटो लेगा।' ईशान ने भी कमेंट में लिखा है 'नो'। दरअसल, इस वीडियो में ईशान किशन गेंद को हाथ में पकड़े नजर आ रहे हैं। ऑरी उनसे रिक्वेस्ट करते हुए कहते हैं 'एक्सक्यूज मी, जब मैं आपके साइड से गुजरूं तो क्या आप मुझसे फोटो मांग सकते है।' ईशान किशन बोलते हैं- क्यों नहीं। जब ऑरी वीडियो बनाते हुए जाते हैं, तो क्रिकेटर उनसे फोटो मांगते हैं, लेकिन ऑरी मना कर देते हैं।

ईद को लेकर मस्जिदों के पास पुलिस तैनात, पेट्रोलिंग टीम, क्विक रिस्पांस टीम और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां एक्टिव

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने ईद-उल-फितर पर्व के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिले की सभी मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य नमाज स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल, महिला पुलिस बल और दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। तैनात सभी पुलिस अधिकारी और कर्मी अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर पूरी मुस्तैदी, सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, जहां लगातार निगरानी रखी जा रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में गश्ती दल, क्विक रिस्पांस टीम (QRT) और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां सक्रिय हैं। सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और तैनात दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) भी सक्रिय है, जहां से पूरे जिले की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को रौंदा, मां की मौत, बेटी गंभीर घायल, पीएमसीएच रेफर, ड्राइवर मौके से भागा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया। इस हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक महिला की पहचान सदर थाना क्षेत्र के धोवघटी निवासी गंगासागर राय की पत्नी फूलन देवी के रूप में हुई है। हादसे में घायल उनकी बेटी तन्नू कुमारी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर यातायात थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मां और बेटी स्कूटी पर सवार होकर किसी काम से हाजीपुर आ रही थीं। रामाशीष चौक के निकट पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राहगीर और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। यातायात थाने की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मां-बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे किसी काम से हाजीपुर जा रही थीं। घटना की जानकारी परिजनों द्वारा स्थानीय थाने को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

मोकामा टाल में बिजली गिरने से 8 घायल, फसल कटाई में ट्रैक्टर पर हुआ हादसा, सभी घर लौट रहे थे

लोकतंत्र की शान : पटना। मोकामा टाल में वज्रपात से आठ मजदूर घायल हो गए। यह घटना घोसवरी थाना क्षेत्र के बबूराही टाल में हुई। सभी घायलों को मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह हादसा फसल कटाई के दौरान हुआ। मौसम अचानक खराब होने लगा, जिसके बाद मजदूर ट्रैक्टर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर पर वज्रपात हो गया, जिससे उस पर सवार सभी मजदूर घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्हें तुरंत किसान द्वारा मोकामा ट्रामा सेंटर लाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। ये मजदूर बिहार के विभिन्न जिलों जैसे मधेपुरा, खगड़िया और सहरसा से मोकामा टाल में फसल काटने आते हैं। वे हर साल लगभग एक महीने तक यहां रहकर फसल कटाई का काम करते हैं और फिर अपने गृह जिलों को लौट जाते हैं। घायल ने बताया कि फसल काटने के बाद वह ट्रैक्टर पर फसल लोड कर रस्सा से बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। आनन-फानन में सभी मजदूर रस्सा बांधकर ट्रैक्टर पर सवार हो गए। अचानक ट्रैक्टर पर बिजली गिरी, जिससे कुछ लोग बेहोश हो गए। टेलर पर रखी फसल में आग लग गई, मजदूरों को होश आने के बाद आग को बुझाया गया।

पटना जंक्शन के बाहर चलते-चलते गिरा शख्स, मौत, बॉडी की नहीं हो पाई पहचान

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना जंक्शन से सटे करबिगहिया इलाके में शनिवार सुबह एक अज्ञात शख्स की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह चलते-चलते अचानक गिर गया। कुछ देर तक तड़पता रहा और फिर मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह करीब 6:45 बजे जक्कनपुर थाना को इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना से जुड़े CCTV फुटेज में दिख रहा है कि शख्स रेलवे हॉस्पिटल पटना की ओर से पैदल चलता हुआ आया और करबिगहिया के पास बैठ गया। कुछ देर बाद वह तड़पने लगा और फिर अचेत हो गया। शख्स को इस हालत में देखकर एक राहगीर ने स्टेशन काउंटर पर सूचना दी। इसके बाद मामला RPF तक पहुंचा। RPF जवान और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक शख्स की मौत हो चुकी थी। मृतक के पास से किसी तरह की पहचान से संबंधित डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं, जिसके चलते पहचान नहीं हो पा रही है। इससे मामला और भी रहस्यमय बन गया है। पुलिस बॉडी की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज कुमार सिंह ने बताया कि, राहगीर के द्वारा ही तबियत खराब होने की जानकारी दी गई थी। घटना स्थल सुरक्षित कर के FSL से जांच करा ली गई है। UD केस दर्ज कर के शव को पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेजा गया है। शव की पहचान कराई जा रही है।

तेज आंधी-पानी से फसलों को भारी नुकसान, वज्रपात से 2 की मौत

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में शुक्रवार देर रात तेज आंधी-पानी के साथ वज्रपात से 02 लोगों की मौत हो गई और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना सहित राज्य के 13 जिलों में हुई आंधी-बारिश से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गयाजी में 02 लोगों की मौत हो गई। देर रात राज्य के कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना के बाढ़ इलाके में ताड़ के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

वहीं, गया जिले के वजीरगंज और डुमरिया में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वजीरगंज के कोल्हना गांव निवासी मनोज सिंह (50) और डुमरिया के छकरबंधा थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र यादव (55) के रूप में हुई है।

मौसम विभाग ने स्थिति को गंभीर मानते हुए गोपालगंज, सारण ,सीवान, वैशाली, बेगूसराय, जहानाबाद, लखीसराय, नालंदा, नवादा,पटना और शेखपुरा जिले के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जना , वज्रपात तथा वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य के अन्य जिलों में भी 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और सक्रिय ट्रफ लाइन मुख्य कारण हैं। दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह जहां मौसम सामान्य और धूप वाला रहा, वहीं शाम होते-होते तेज आंधी और बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।

कैमूर में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 18 डिग्री सेल्सियस के साथ राजगीर सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 21 मार्च को राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। हालांकि 22 मार्च के बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

2020 दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील को मिला पेरोल

लोकतंत्र की शान , पटना

दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील इमाम करीब 6 साल बाद जेल से बाहर आकर पटना पहुंचे हैं। कोर्ट ने उन्हें 20 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिनों के पेरोल की अनुमति दी है। इस दौरान वे अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, शरजील इमाम पटना पहुंचने के बाद सीधे जहानाबाद के लिए रवाना हो गए, जहां उनका पैतृक घर है। उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम की शादी 25 मार्च को तय है। इसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उन्होंने कोर्ट से पेरोल की मांग की थी, जिसे मंजूरी मिल गई।

मां की तबीयत भी बनी वजह: पेरोल दिए जाने की एक वजह उनकी मां की खराब सेहत भी बताई जा रही है। परिवार ने कोर्ट से आग्रह किया था कि शादी और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें अस्थायी राहत दी जाए। कोर्ट ने इन मानवीय आधारों पर 10 दिन की पेरोल स्वीकृत की। कोर्ट के आदेश के अनुसार, शरजील इमाम को 30 मार्च तक वापस जेल में सरेंडर करना होगा। फिलहाल वे पैरोल की शर्तों के तहत अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और शादी की तैयारियों में शामिल होंगे। पेरोल मिलने के बाद उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम ने कोर्ट का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह समय महत्वपूर्ण है और इस फैसले से उन्हें बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि शरजील इमाम का नाम 2020 दिल्ली दंगे के मुख्य आरोपियों में शामिल रहा है। इन दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। तब से वे न्यायिक हिरासत में थे। शरजील इमाम के पटना और जहानाबाद आने को लेकर स्थानीय प्रशासन भी सतर्क है।

- **भाई की शादी में शामिल होने पटना पहुंचा, 30 मार्च करना होगा सरेंडर**

चैती छठ 2026, उलार सूर्य मंदिर में तैयारियां पूरी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जिला प्रशासन ने चैती छठ महापर्व के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पटना से 35km दूर दुल्हिनबाजार प्रखंड स्थित प्राचीन उलार सूर्य मंदिर में मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। लोक आस्था का यह महापर्व चैती छठ 22 मार्च से 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हो रहा है। इसके अगले दिन 23 मार्च को खरना, 24 मार्च को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। फिर 25 मार्च को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चैती छठ महापर्व का समापन होगा।

पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गई: मंदिर परिसर में बने पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। छठव्रतियों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। देश के 12 प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक, ओलारर्क (उलार) सूर्य मंदिर का इतिहास द्वापर युग से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र राजा शाम ने इस मंदिर की स्थापना की थी। मुगल काल में इसे ध्वस्त करने का प्रयास किया गया था, लेकिन बाद में इसका पुनर्निर्माण हुआ। मंदिर में हजारों साल पुरानी मूर्तियां स्थापित हैं। भक्तों का मानना है कि सच्चे मन से पूजा करने और मंदिर परिसर के तालाब में स्नान करने से कुष्ठ रोग जैसी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

सहरसा के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन: एकलव्य सेंटर के लिए 5 खिलाड़ियों का चयन

लोकतंत्र की शान

सहरसा, जिला संवाददाता, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: भारत सरकार की पहल के तहत विभिन्न खेल विधाओं के लिए आवासीय एकलव्य सेंटर की स्थापना के क्रम में सहरसा जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं सहरसा जिला कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में खेल भवन, सहरसा में आयोजित ट्रायल में बालक एवं बालिका पहलवानों का चयन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में सहरसा से दो बालक पहलवान—राहुल कुमार (पिताः शंभू शर्मा, ग्रामः पंचगछिया) और मो. इम्तियाज (पिताः इसाक, ग्रामः कासिमपुर) का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी वर्तमान में पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्टेडियम में एकलव्य सेंटर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा जारी हालिया सूची में सहरसा की तीन बालिका पहलवानों— चंचल कुमारी (पिताः बलबीर सिंह, ग्रामः कटधड़ा, सलखुआ), संध्या कुमारी (पिताः नंदन पासवान, ग्रामः खोचरदेवा, सलखुआ) और अंशु कुमारी (पिताः संटू पासवान, ग्रामः खोचरदेवा, सलखुआ) का भी चयन किया गया है। ये सभी खिलाड़ी बलबीर कुमार के प्रशिक्षण में तैयार हुई हैं। इन बालिका पहलवानों के लिए बेगूसराय स्थित उमर गर्ल्स कॉलेज में एकलव्य सेंटर के अंतर्गत आवासीय व्यवस्था की गई है, जहां उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ 12वीं तक शिक्षा, खेल किट, खेल पोशाक, सुबह-शाम नाश्ता तथा प्रतिमाह 1500 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। साथ ही, बिहार सरकार द्वारा भविष्य में सरकारी नौकरी के अवसर भी सुनिश्चित किए जाने की बात कही गई है। सहरसा जिला कुश्ती संघ के सचिव एवं नेशनल कोच हरेंद्र सिंह (मेजर) ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनके वर्षों की मेहनत, जुनून और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने बताया कि दूरदराज के गांवों से आने वाली बालिका पहलवानों का चयन जिले के लिए गर्व की बात है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जिले के विभिन्न खेल संघों ने चयनित खिलाड़ियों एवं कोच हरेंद्र सिंह को बधाई दी है।

बिहार दिवस पर सहरसा में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन: ग़ज़ल गायक चंदन दास की प्रस्तुति बनेगी आकर्षण का केंद्र

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। बिहार दिवस के पावन अवसर पर सहरसा जिले में एक भव्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। कला संस्कृति विभाग, बिहार सरकार, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन, सहरसा के संयुक्त तत्वावधान में 22 मार्च 2026 को संध्या 5:00 बजे से स्थानीय प्रेक्षागृह में इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक चंदन दास अपनी मधुर आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को एक यादगार संगीत अनुभव प्रदान करेंगे। उनकी ग़ज़लों की प्रस्तुति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगी, जिसे सुनने के लिए संगीत प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला और परंपराओं को बढ़ावा देना तथा आम जनमानस को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना है। इसके माध्यम से स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि आयोजन सफल, सुव्यवस्थित और यादगार बन सके। प्रेक्षागृह को विशेष रूप से सजाया जा रहा है तथा सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों, कला प्रेमियों और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य सांस्कृतिक संध्या का हिस्सा बनें और बिहार दिवस के उत्सव को उत्साह एवं उमंग के साथ मनाएं।

आंधी-तूफान से फसल नुकसान पर जिलाधिकारी से विधायक संजय कुमार सिंह की मुलाकात, शीघ्र मुआवजे की मांग

लोकतंत्र की शान

सहरसा, जिला संवाददाता, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सिमरी बख्तियारपुर के विधायक श्री संजय कुमार सिंह ने सहरसा जिले में हाल ही में आए आंधी-तूफान और अतिवृष्टि के कारण किसानों की फसलों को हुए व्यापक नुकसान के मुद्दे पर जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रभावित किसानों को शीघ्र एवं उचित क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। मुलाकात के दौरान विधायक ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आग्रह किया, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत मिल सके और उनकी आर्थिक स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर भी सार्थक विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल करने पर जोर दिया गया। विधायक श्री संजय कुमार सिंह ने कहा कि उनका निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र के हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, किसानों को उनका अधिकार समय पर मिले और विकास कार्यों को और अधिक तेज एवं प्रभावी बनाया जा सके। इस पहल को लेकर क्षेत्र के किसानों एवं आमजन में उम्मीद जगी है कि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई कर राहत प्रदान की जाएगी।

टेंडर-योजनाओं में गड़बड़ी पर ईओयू सख्त, विशेष टीम गठित

लोकतंत्र की शान , पटना

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने सरकारी विभागों में टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में हो रही अनियमितताओं पर सख्ती बढ़ा दी है। इकाई ने एक अधीक्षक के नेतृत्व में 5 सदस्यीय विशेष निगरानी टीम का गठन किया है, जो पूरे राज्य से मिलने वाली शिकायतों की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

विशेष टीम करेगी निगरानी: पटना स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ईओयू के पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि, टेंडर आमंत्रण, आवंटन और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी को देखते हुए त्वरित और प्रभावी जांच के लिए यह टीम बनाई गई है। यह टीम पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में कार्य करेगी, जिसमें एक डीएसपी और पुलिस निरीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल होंगे। इस टीम का मुख्य उद्देश्य शिकायतों का सत्यापन करना, अनियमितताओं की पुष्टि होने पर विधिसम्मत कार्रवाई करना और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता के साथ निष्पक्षता सुनिश्चित करना है।'

NBPDCL इंजीनियर पर DA केस: ईओयू ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (NBPDCL) के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार रजक के खिलाफ 16 मार्च 2026 को आय से अधिक संपत्ति (DA) का मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय से 62.66% अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में जमीन, आभूषण और बैंक खातों से जुड़े कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। FIR में दर्ज संपत्तियों के अलावा 4-5 अन्य जमीन के कागजात भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि कुछ संपत्तियां नेपाल में रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी गई हैं। इस अंतरराष्ट्रीय पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है।

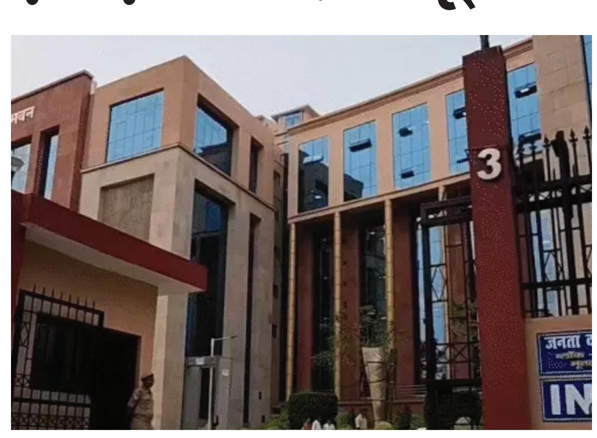

21 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस ED को सौंपा: ईओयू ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दो बड़े मामलों को प्रवर्तन निदेशालय (ED) को सौंप दिया है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत केस दर्ज किया गया है। ईओयू के मुताबिक, इन मामलों में करीब 21 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन के प्रमाण मिले हैं। संबंधित सभी दस्तावेज और सूचनाएं ED को उपलब्ध करा दी गई है। फिलहाल, इन मामलों की जांच ED कर रही है।

अवैध खनन में 350 करोड़ का नुकसान, 62 केस की निगरानी: राज्य में अवैध खनन के मामलों में भी ईओयू ने सख्त रुख अपनाया है। खनन एवं भू-विज्ञान विभाग को लगभग 350 करोड़ रुपये के नुकसान से जुड़े 62 एफआईआर की निगरानी की जा रही है। जांच में सामने आया है कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के कुछ अधिकारियों ने 17 जिलों में लाइसेंस धारकों के साथ मिलकर खनन पोर्टल में तकनीकी छेड़छाड़ की, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। ईओयू सभी 62 मामलों पर नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही तकनीकी और वित्तीय पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर: ईओयू की यह पहल सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी पर नजर रखने के लिए बनाई गई विशेष टीम आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

ख़ास ख़बर

रेवाड़ीः पटौदी फ्लाईओवर के पास दर्दनाक हादसा, कार की टक्कर से चार साल के मासूम की मौत

लोकतंत्र की शान : नारनौल। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार साल के मासूम बच्चे की जान चली गई। हादसा पटौदी फ्लाईओवर के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार की टक्कर से बच्चे की मौके पर ही गंभीर हालत हो गई। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।मृतक बच्चे की पहचान आयुष के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इस हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार राजस्थान के झुंझुनू जिले के नानूवाली बावड़ी गांव निवासी नरेंद्र ने बताया कि उनका परिवार माता शीतला के दर्शन के लिए गया हुआ था। उनके साथ जयपुर में रहने वाली उनकी बहन और उसका चार साल का बेटा आयुष भी था। शुक्रवार शाम को सभी लोग दर्शन कर वापस राजस्थान लौट रहे थे और उन्हें नारनौल होते हुए खेतड़ी जाना था। रास्ते में पटौदी फ्लाईओवर के पास नरेंद्र की पत्नी और बहन को अचानक उल्टी होने लगी, जिस कारण उन्होंने गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। इस दौरान आयुष अपनी मां के साथ गाड़ी के पास ही सड़क पर खड़ा था। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही दो कारों में से एक ने आयुष को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद परिजन घायल आयुष को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपित चालक अपनी कार सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के बयान के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पानीपत में एक 13 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

लोकतंत्र की शान : पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले के गांव दिवाना में एक 13 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने बच्चे के अपहरण की आशंका जताई है। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी है। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। लापता हुए किशोर के पिता उगेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका सबसे बड़ा बेटा 13 वर्षीय अरमान जो मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ नहीं है। वह शुक्रवार की शाम को बिना बताए घर से कहीं चला गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिला, तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में रिपोर्ट दी। पिता उगेश द्वारा दी गई शिकायत में अपने बेटे के अपहरण की शंका जताई है। थाना सेक्टर 29 पुलिस ने मामला दर्ज कर अपहृत किशोर की तलाश शुरू कर दी है और वह आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस ने 19 अवैध बुलेट साइलेंसर जब्त कर किए नष्ट

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। फतेहाबाद ट्रैफिक पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत शहरभर में मॉडिफाइड बुलेट साइलेंसरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जिसमें कुल 19 अवैध साइलेंसर जब्त कर बुलडोजर से नष्ट किए गए। यह कार्रवाई ट्रैफिक प्रभारी उप निरीक्षक जयसिंह के नेतृत्व में की गई। उन्होंने बताया कि इन तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसरों से न केवल ध्वनि प्रदूषण होता है, बल्कि आमजन को मानसिक तनाव, भय व असुविधा का सामना करना पड़ता है। एसपी सिद्धांत जैन ने स्पष्ट रूप से कहा कि वाहनों में ऐसे अवैध संशोधन कतई बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यदि कोई वाहन चालक भविष्य में इस तरह का साइलेंसर या अन्य अवैध उपकरण लगाकर पकड़ा गया तो उसके खिलाफ भारी जुर्माना, वाहन की जब्ती और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने आमजन से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और बिना आवश्यकता वाहनों में किसी प्रकार का तकनीकी या ध्वनि संबंधित संशोधन न करें। उन्होंने यह भी कहा कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं और सडक़ सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी जिम्मेदार नागरिक बनें, नियमों का पालन करें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का साथ दें।

दरबार साहिब की एआई तस्वीर बनाकर बेअदबी, क्रिकेटर्स को नंगे सिर दिखाया

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा बार-बार चेताए जाने के बावजूद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से अमृतसर स्थित दरबार साहिब का वीडियो-फोटो बनाकर बेअदबी का नया मामला सामने आया है। एक क्रिकेट फैन पेज ने दरबार साहिब में क्रिकेटर्स और बॉलीवुड कलाकारों की एआई फोटो फेसबुक पर शेयर की है। पहली फोटो में क्रिकेटर युवराज सिंह को तो दूसरी फोटो में क्रिकेटर हार्दिक पांड्या को नंगे सिर दिखाया है जबकि दरबार साहिब में जाने के लिए सिख धर्म के अनुसार सिर ढकना जरूरी है। इससे कुछ दिन पहले ही एक कंकाल की गोल्डन टेंपल की परिक्रमा और लंगर हॉल में जूते पहने एआई वीडियो शेयर की गई थी। इस फोटो पर एसजीपीसी ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि इस मामले में अब केंद्र व राज्य सरकार को सख्त कानून बनाना चाहिए, ताकि ऐसे आरोपितों पर सख्त कार्रवाई हो और भविष्य में कोई इस तरह की बेअदबी न कर सके। एआई द्वारा बनाई गई पहली फोटो में क्रिकेटर युवराज सिंह, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा और उनकी मां को दिखाया गया है। इसमें अर्शदीप ने पगड़ी पहनी है जबकि अभिषेक का सिर भी कपड़े से ढका है। उनकी मां का सिर भी चुन्नी से ढका गया है लेकिन युवराज सिंह को नंगे सिर दिखाया गया है। पीछे दरबार साहिब नजर आ रहा है। दूसरी एआई फोटो में क्रिकेटर हार्दिक पांड्या, विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी और बॉलीवुड कलाकार रणवीर सिंह को दिखाया गया है। इसमें भी पहली फोटो की तरह ही बेअदबी की गई है। फोटो में विराट, धोनी और रणवीर का सिर तो ढका हुआ है लेकिन हार्दिक पांड्या को नंगे सिर दिखाया गया है। एसजीपीसी के एडवोकेट अमनबीर सिंह सियाली ने कहा कि लगातार वायरल हो रही इन तस्वीरों को लेकर कमेटी की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस बारे में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भी सौंपी जा रही हैं। इससे पहले भी पवित्र सरोवर में कुल्ला करने की एक वीडियो वायरल हो चुकी है।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, चार वाहन जब्त

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं श्री कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रभारी खनि निरीक्षक श्री देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में खनिज दल द्वारा कुसमी, मड़वास, मझौली एवं रामपुर नैकिन तहसील क्षेत्रों में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान 20 मार्च 2026 की देर रात्रि ग्राम कुसमी स्थित गोपद नदी के पास दो वाहन टाटा 407 क्रमांक MP53GA2418 एवं MP53GA2226 को रोका गया। जांच में खनिज रेत के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर वाहन चालक करुणानिधि मिश्रा निवासी ग्राम भगवार एवं शनि तिवारी निवासी ग्राम बड़वाही के कब्जे से दोनों वाहन मय खनिज जब्त कर थाना कुसमी पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दिए गए। इसी प्रकार कुसमी-भदौरा मार्ग, तहसील मड़वास में खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक MP53ZD0705 एवं एक हाईवा क्रमांक MP53HA2184 को पकड़ा गया। मौके पर चालक शिवम कुमार साहू निवासी ग्राम गुड्डवाधर एवं रामसुंदर पनिका निवासी ग्राम पड़री द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर दोनों वाहनों को मय खनिज जब्त कर थाना मड़वास एवं टिकरी चौकी की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

सुअर ने किसान पर किया जानलेवा हमला

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। तहसील रामपुर नैकिन क्षेत्र के ग्राम पकनिया में शुक्रवार की शाम एक बड़ी घटना सामने आई जहां गांव निवासी बाल्मीक पटेल पर एक आवारा सुअर ने अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि शाम करीब 4:30 बजे बाल्मीक पटेल अपने खेत में आलू की खुदाई कर रहे थेए तभी अचानक सुअर ने उन पर हमला बोल दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और बेहतर इलाज के लिए उन्हें रीवा रेफर करने की तैयारी की जा रही है। इस घटना में किसान को आर्थिक रूप से भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार लगभग 5 से 7 कुंटल आलू की फसल नष्ट हो गई है। घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से आवारा सुअरों का आतंक बना हुआ है, लेकिन प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

नारायण की सेवा निराकार ही हैः पं. बाला व्यंकटेश

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। शिवाजी नगर नौढिया सीधी में भोला सिंह बघेल के साधनत्व समर बहादुर सिंह बघेल के सानिध्य और विनोद प्रमोद सिंह बघेल के सेवाभाव से विगत तीन दिनों से चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के प्रसंग में देश के यशस्वी कथा व्यास पं. बाला व्यंकटेश शास्त्री जी महराज वृन्दावनोपासक ने मंगलाचरण के रूप में सबसे पहले सीधी के सभी पत्रकारों के दायित्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीधी के पत्रकार सच्चे अर्थों में सजग प्रहरी हैं। यह बात कथा के प्रसंग में यह बात आरेखित करते हुए व्यास महराज जी ने कही। कथा को आयाम देते हुए महराज जी ने बताया कि मन को एकाग्र करना हो तो सबसे पहले तन पर फिर नयन पर नियंत्रण करने से मन पर विजय प्राप्त किया जा सकता है। कथा के रहस्य को उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को कथा व्यास जी ने सरल दृष्टान्त और कथानक के माध्यम से समझाया। कथा मे प्रसंग के क्रम में पं. बाला व्यंकटेश महराज वृन्दावनोपासक ने कहा कि कथा में अहंकार की चादर फेंककर जो भी भक्त आयेंगे निश्चित ही हमारी भागवत कथा कुछ न कुछ अपने बेटे और बेटियो को कुछ न कुछ जरूर देगी। कथानक के क्रम में महराज जी ने बताया कि ब्रम्हा जी समाधि में थे उसी बीच नारद जी आये, ब्रम्हा की समाधि खुली तब ब्रम्हा जी ने कहा कि परमात्मा अखण्ड अनन्त और अपरमित है। इसलिए नारायण की सेवा निराकार के रूप में होती है। उन्होने उदाहरण दिया कि शालिक राम का विग्रह का कोई आकार नही है वह निराकार ही तो है। कथा के बीच में प्रसंग के अनुसार भजन कीर्तन भी चलता रहा और उपस्थित जन रसानन्द लेते रहे। आज की भागवत कथा में शहर के कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। जिसमें श्रीमती रीती पाठक विधायक सीधी, नगर अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, पत्रकार अमित सिंह बघेल, डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस साहित्यकार, पुष्पराज सिंह चौहान नौढिया आदि का नाम विशेष उल्लेखनीय रहा।

नवरात्रः देवी मंदिरों में उमड़ा रहा आस्था का जनसैलाब

» बटौली, घोघरा, फूलमती, अष्ठभुजी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं का लगा तांता
» प्रसिद्ध देवी मंदिरों में भव्य मेले का हो रहा आयोजन

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। चैत्र नवरात्र में प्रसिद्ध देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। नवरात्र में श्रद्धालुओं की भीड़ जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना के लिए भोर से ही देवी मंदिरों में उमडऩा शुरू हो जाती है। चैत्र नवरात्र को देखते हुए प्रसिद्ध देवी मंदिरों को विशेष तौर पर सजाया गया है। जिला मुख्यालय के समीपी बटौली देवी मंदिर में नवरात्र के दिनों में सर्वाधिक भीड़ उमड़ती है। यहां विशेष अनुष्ठान भी किये जा रहे हैं। प्रसिद्ध बीरबल की वरदानी देवी मां चंद्रिका घोघरा देवी मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है। इसके साथ ही फूलमती मंदिर सीधी, कुसमी ब्लॉक के मां अष्टभुजी देवी गोतरा मंदिर, झदवा देवी मंदिर चुरहट, रामपुर नैकिन ब्लॉक के दुरासिन देवी मंदिर, बहरी तहसील के लौआ देवी मंदिर एवं मझौली तहसील के मडफ़हा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना करनें के लिए पहुंच रही है। चैत्र नवरात्र के नौ दिनों तक देवी मंदिरों में विविध धार्मिक आयोजन भी हो रहे हैं। चैत्र नवरात्र का कई मायनों में विशेष महत्व माना जाता है। इस वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में चैत्र नवरात्र के प्रारंभ होते ही श्रद्धालु जवारा के लिए बुवाई का कार्य भी करते हैं। जिससे नवमीं पर मां दुर्गा को जवारा चढ़ाया जा सके। सीधी जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडऩे के कारण जिला पुलिस द्वारा विशेष व्यवस्थाएं भी बनाई गई हैं। जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं का पूजा अर्चना करनें में किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। प्रसिद्ध मंदिरों में सुबह से ही पुलिस बल तैनात रहता है। जिनमें महिला पुलिस कर्मी भी शामिल हैं। बताते चलें कि मां जगतजननी की साधना और आराधना के लिए विशेष माने जाने वाले चैत्र नवरात्र की शुरुआत 19 मार्च से हुई है। वैसे तो नवरात्र के सभी दिन शुभ फलदायी माने जाते हैं लेकिन इस दौरान ग्रह नक्षत्रों के मेल से बन रहे कुछ खास संयोग नवरात्र को और अधिक शुभ फलदायी बना रहे हैं। नवरात्र 27 मार्च तक रहेगी। नवरात्र में श्रद्धालु माता रानी के अलग-अलग स्वरूपों की साधना और आराधना करेंगे।

कार्यकर्ता ही संगठन की पूंजी हैः विश्वामित्र

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत मंडल बहरी एवं मायापुर में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां भारती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत शुभारम्भ हुआ। इस दौरान विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने प्रशिक्षण वर्ग में अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। एकात्म मानव वाद का सिद्धांत संगठन की मूल आत्मा है जो समाज के अंतिम ब्यक्ति तक विकास और सेवा पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हम उस राजनीतिक पार्टी से है जहां कार्यकर्ता ही संगठन की असली पूंजी है, भाजपा की विचार धारा अन्य पार्टियों से अलग है, उन्होंने कहा कि विपक्ष क्षेत्र का विकास होते देख केवल विरोध करने पर आमादा है, क्षेत्रीय विधायक ने कार्य शाला में कार्य कर्ताओं को राज्य सरकार की कई उपलब्धियों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि हमारी सरकार ने लोक गारंटी सेवा अधिनियम लागू कर हर नागरिक का काम आसान किया, हर एक परिवार को मुफ्त राशन देने का काम कर रही है। चाहे लाडली लक्ष्मी योजना हो या लाड़ली बहना योजना के माध्यम से हर महीने 1500 रुपए देने का काम कर रही है। जिससे हमारी बहनों की आर्थिक समस्या दूर हुई, देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से 6000 रुपए एवं प्रदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री के द्वारा किसानों को 6000 रुपए कुल मिलाकर साल में 12000 रुपए देने का काम कर रही है जिससे किसान समृद्ध हों ऐसे अनेकों योजनाएं हैं चाहे नल जल की बात हो या आयुष्मान कार्ड से मुफ्त दवा करने का भी प्रावधान है ऐसी अनेकों योजनाओ के माध्यम से सभी के उन्नति एवं विकास के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षी उद्बोधन में कहा कि भाजपा के पदाधिकारियों एवं बूथ अध्यक्षो को सभी प्रशिक्षण में सम्मिलित होना चाहिए और उन्होंने कहा कि हम अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव यही असली भाजपा कार्यकर्ता की पहचान है और अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण समर्पण से अपना योगदान दे। इस अवसर पर रीवा संभाग के सह प्रभारी केके तिवारी, मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष श्रीमती शिवकुमारी जायसवाल, शिव दान साकेत, लोरिक प्रसाद यादव, पुनीत पाण्डेय, राजमणि साहू, अशोक शुक्ला, दिलीप सोनी, अवधेश सिंह, श्रीमती कविता तिवारी, गंगा साकेत, गोपाल द्विवेदी, सरोज साकेत, श्याम लाल यादव, योगेन्द्र नाथ पाठक, विष्णु प्रधान, नीरज सिंह, रविशंकर पाठक, पुष्पराज सिंह, सुभाकर द्विवेदी, हीरा यादव, मनीष विश्वकर्मा, रितेश गुप्ता, राजकुमार नेटी सहित पदाधिकारी गण, बूथ अध्यक्ष गण, महामंत्री एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश से फसल नुकसानः मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को तुरंत सर्वे के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

जयपुर। प्रदेश में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने देर रात सभी जिला कलेक्टर्स को प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे करवाकर जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजने के आदेश जारी किए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है और नुकसान का आकलन होते ही प्रभावित किसानों को शीघ्र सहायता प्रदान की जाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि किसानों की पीड़ा ही सरकार की पीड़ा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की समृद्धि का आधार किसान हैं और संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और वास्तविक नुकसान का सही आकलन किया जाए, ताकि सहायता समय पर और सही पात्र किसानों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रत्येक प्रभावित किसान को जल्द और समुचित राहत देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासन को पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ काम करने को कहा गया है।

फतेहाबाद : ज्वैलरी शॉप में हाथ साफ करने वाली महिला गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। शहर के धर्मशाला रोड स्थित ज्वैलरी शॉप में हाथ साफ करने के मामले में कार्रवाई करते हुए चोर गिरोह की एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिलाओं के इस गिरोह ने दुकान से चांदी की पायल चोरी की थी। गिरफ्तार महिला की पहचान मुनेश कुमारी निवासी झाझड़ा टोडा, जिला भिवानी के रूप में हुई है। शनिवार को थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्रा ने बताया कि इस बारे में पुलिस ने कैलाश चन्द्र निवासी धर्मशाला रोड, फतेहाबाद की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी थाना रोड पर रामा कृष्णा के नाम से सुनार की दुकान है। उनकी दुकान से चांदी की 3 जोड़ी पायलें चोरी हो गई हैं। इस पर जब उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को चैक किया तो पता चला कि तीन महिलाओं ने चालाकी से इस चोरी को अंजाम दिया है। शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले में पुलिस टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी महिला मुनेश कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब गिरफ्तार महिला से पूछताछ कर रही है ताकि उसके साथ वारदात में शामिल अन्य दो फरार महिलाओं का पता लगाया जा सके और चोरीशुदा चांदी की पायलें बरामद की जा सकें।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद का पर्व

» देश में अमन चैन एवं खुशहाली के लिए की गयी दुआ,

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में धूमधाम के साथ ईद का त्योहार मनाया गया, सभी ने अपने जिले के साथ साथ हिंदुस्तान व देश प्रदेश की खुशहाली, अमन, सुकून सलामती के लिए दुआ किया और हमारे देश में भाई चरा बना रहे। गरीब यतीम मिस्कीन का हक अदा कर के ही लोगो ने ईदगाह नमाज के लिए अदा करने गए आज के ईद की नमाज में खुसूसी तौर पर धनपुरी सरीफ के साहिबे सज्जादा हज़रत अल्लामा पीर सैय्यद वासिल मिया और हज़रत अल्लामा सैय्यद कामिल मियां मौजूद रहे। सैय्यद कामिल मियां ने सभी के लिए दुआ किया सब खुशहाल जिंदगी जिए बीमारों को सिफा मिले बेरोजगार को रोजगार और कर्ज वाले कर्ज से निजात पाएं इसके लिए खास दुआ किया सीधी के पेश इमाम मोहम्मद गैस साहब ने नमाज अदा करवाया हफीज अहसान साहब ने तरावी नी नमाज अदा करवाई और वो भी मौजूद रहे मौलाना इद्रीश साहब किया मदरसा फौजने रज़ा मुबल्लिग मौलाना इस्तियाक साहब हाफिज सफीक साहब हाफिज अब्दुल हलीम साहब और बहुत से उलमाए किराम मौजूद रहे, इन सब कार्यों की देख रेख मोहम्मद अकरम ने किए कब्रिस्तान कि साफ सफाई से ले कर लोग नमाजियों के नमाज का पूरा इंतजाम उनके निगरानी ने किया गया।

बिना किसी भेदभाव करें सबका सहयोगः शमशीर

पूरे एक महीने रोजा रहा और अमन चैन खुशहाली के लिए हजारो हाथ उठा कर रब से दुआ करे और अपने पड़ोसियों का खास खयाल रखें बिना किसी भेद भाव के सबका सहयोग करे, उक्त अपील अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्प संख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मोहम्मद शमशीर अहमद ने दिया। आला हजरत वेलफेयर एसोसिएशन, गुलमाने अहले बैत, नौजवान, अहले सुन्नत, अल्प संख्यक विकास कमेटी व डाक्टर आम्बेडकर राष्ट्रीय युवा संघ जिला सीधी व मुस्लिम संगठन शमिल रहे जिला अध्यक्ष अल्प संख्यक प्रकोष्ठ जिला कांग्रेस कमेटी जनाब मोहम्मद शमसीर अहमद ने बताया कि सबकी खुशियों का रखा गया। ख्याल पूरे एक माह तक चले रमजान माह के आखिरी दिन चांद का दीदार करने के बाद आज ईद के मुबारक मौके पर सीधी के ईदगाह में 8.30 और जामा मस्जिद सीधी में 9.15 बजे मुस्लिम समाज के लोगों ने एक साथ मिल कर नमाज अदा किया नमाज अदा करने से पहले मुस्लिम समाज के द्वारा सदका जकात और फितरा निकाला गया ताकि जरूरत मंद लोगो की जरूरतें पूरी हो सके और वो लोग भी खुशियों के साथ ईद माना सके। बता दें कि यह सीधी जिले में विशेष पहल कहीं जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मदर टेरेसा और मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नाम के दुरुपयोग पर संगठन ने दी चेतावनी

कोलकाता। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने संस्था और मदर टेरेसा के नाम तथा तस्वीर के अनधिकृत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी जारी की है। संगठन ने कहा है कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति चंदा संग्रह और प्रचार अभियानों के लिए बिना अनुमति उनके नाम का उपयोग कर रहे हैं, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। संगठन ने 19 मार्च को जारी बयान में कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं मिशनरीज ऑफ चैरिटी और मदर टेरेसा के नाम का विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर धन संग्रह के लिए, बिना अनुमति इस्तेमाल कर रहे हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अनधिकृत उपयोग से आम लोगों में गलतफहमी पैदा होती है, खासकर जब इसे दान या परोपकारी अपील से जोड़ा जाता है। संगठन ने अपनी संस्थापक के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि मदर टेरेसा कभी नहीं चाहती थीं कि उनके नाम या तस्वीर का उपयोग धन संग्रह या किसी प्रकार की अपील के लिए किया जाए, भले ही उद्देश्य परोपकारी ही क्यों न हो। बयान में उनकी सादगी और स्वैच्छिक सहयोग पर आधारित कार्यशैली को भी रेखांकित किया गया है। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे बिना पूर्व अनुमति मदर टेरेसा या संगठन के नाम का किसी भी रूप में उपयोग न करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि ऐसा जारी रहता है तो संगठन अपने नाम और पहचान की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई सहित आवश्यक कदम उठा सकता है। 1950 में कोलकाता में स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी एक कैथोलिक धार्मिक संस्था है, जो गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। संगठन ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संस्था या अभियान को सहयोग देने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य कर लें, यदि वह मिशनरीज ऑफ चैरिटी से जुड़ा होने का दावा करता है।-

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे, राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली। देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला है। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर पहुंचे। भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने

फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई। मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं। मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया।

कांग्रेस एमएलए बोले-पार्टी विधायक चोरी-चोरी सीएम सैनी से मिलते हैं

फतेहाबाद। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग में नाम आने और नोटिस जारी होने के बाद रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भड़ास निकाली है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा का नाम यहां जिंदा रखने की वजह से ही अशोक तंवर और कुमारी सैलजा से लड़ाई लड़ी। जरनैल सिंह ने CM नायब सैनी की भी खुलकर तारीफ की। बोले- नायब सैनी बहुत ही बढ़िया मुख्यमंत्री हैं, काम करने वाले हैं। पहले सीएम विपक्ष के विधायकों के घर नहीं जाते थे, लेकिन नायब सैनी ने इतिहास रचते हुए ये शुरुआत की है। कांग्रेस विधायक ने कहा- पार्टी के सभी विधायक चोरी-चोरी CM से मिलने जाते हैं, काम कराते हैं। 20 मार्च को ही कांग्रेस अनुशासन समिति ने जरनैल सिंह को नोटिस जारी कर क्रॉस वोटिंग पर 7 दिन में जवाब मांगा है। मीडिया से बातचीत में विधायक जरनैल सिंह ने कहा- नोटिस जारी होने और नाम उछालने से दिल टूटा है। 20 साल से चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ सच्चा सिपाही बनकर यहां उनके लिए लड़ाई लड़ता रहा हूं। मैंने अपनी वोट कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को दी है। हुड्डा साहब को दिखाकर वोट दी है। जरनैल सिंह ने कहा, हुड्डा साहब का सबसे सच्चा सिपाही मैं हूं।

आज मुझे उनकी वफादारी का यह सिला मिला है। मैंने हुड्डा की वजह से ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहे अशोक तंवर के साथ लड़ाई लड़ी। बहन कुमारी सैलजा से लड़ाई लड़ी, ताकि हुड्डा का नाम यहां जिंदा रहे। इन लोगों ने मेरा क्या बिगाड़ा था। इन्होंने मंदभागी (गलत) बात की है। सीएम नायब सैनी की तारीफ करने के सवाल पर जरनैल सिंह ने कहा- उनकी तारीफ मैं अकेला नहीं करता। सारे एमएलए उनकी तारीफ करते हैं। उनके पास चोरी-चोरी सारे जाते हैं। उनसे काम लेते हैं। काम करवाने के लिए ही हम मिले हैं। अगर कोई हमारा काम करता है, तो हमें काम लेना चाहिए। जरनैल सिंह ने आगे कहा कि मैं पहले दो बार एमएलए रह चुका हूं। सरकार से पैसा लाकर बहुत विकास करवाया है। एमएलए की ग्रांट नहीं होती। मुख्यमंत्री नायब सैनी बहुत चंगे बंदे हैं, सबकी बात सुनते हैं। उन्होंने नया इतिहास रचा है। पहले कोई मुख्यमंत्री विपक्षी के घर नहीं गया। कभी कोई मरगत (निधन) पर भी नहीं गया। जरनैल सिंह ने कहा कि सीएम नायब सैनी सबके घर जाते हैं, चाहे कोई भी विधायक अपने बच्चे की शादी या कार्ड देकर आए, तो सबके यहां जाते हैं। बहुत ही बढ़िया मुख्यमंत्री है। उनका कार्यकाल बहुत ही शानदार है। जब उन्होंने पगड़ी बांधी थी, तब भी मैंने उनकी तारीफ की थी। बजट भी पगड़ी पहनकर पेश किया।

पंजाब- आप मंत्री का नाम लेकर अफसर ने सुसाइड किया

अमृतसर। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा ने सुसाइड कर लिया। रंधावा ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी किया। इसमें कहा- खाली सल्फास, मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से, अब मैं नहीं बचता। इस घटना का पता चलते ही CM भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (FCI) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर DM गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की। नंगा करके उसकी वीडियो बनाई। पत्नी-बच्चों को गैंगस्टरों से मरवाने की धमकी दी। वहीं, रंधावा के परिवार ने भुल्लर के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की और ऐसा न होने तक अस्पताल से डेडबॉडी नहीं उठाने का ऐलान किया। अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट के ADCP शिरीवेनेला ने कहा कि वह रंधावा परिवार से बात कर रहे हैं।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो वीडियो अपलोड करना चिंताजनक

यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा, इससे आरोपी की इमेज खराब होती है

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है।कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है।

याचिकाकर्ता ने कहा- हर कोई खुद को मीडिया समझने लगा है: याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस

मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है।

सीजेआई बोले- यह 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा ट्रेंड: सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं।॥ कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जांच एजेंसी का काम निष्पक्ष रहना है वह न पीड़ित के पक्ष में होती है, न आरोपी के।

सुनवाई में सहारा बनाम सेबी केस का जिक्र: सुनवाई के दौरान सहारा बनाव सेबी केस का जिक्र हुआ, जिसमें मीडिया ट्रायल के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही चिंता जता चुका है। कोर्ट ने कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण यह खतरा और बढ़ गया है, जिससे कानून का राज प्रभावित हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा सोशल मीडिया पर कुछ प्लेटफॉर्म ऐसे हैं जो 'ब्लैकमेलर' की तरह काम करते हैं और माहौल बिगाड़ते हैं।

कोर्ट बोला- अप्रैल के बाद दोबारा दायर करें याचिका: कोर्ट ने बताया कि पुलिस को मीडिया ब्रीफिंग के लिए SOP बनाने के लिए 3 महीने का समय दिया गया है। बेंच ने सुझाव दिया कि याचिका को अभी वापस लेकर अप्रैल के बाद, SOP लागू होने के बाद फिर से दायर किया जाए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यूपीएससी में सफल हुए 56 युवाओं को किया सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' में आयोजित 'दिल्ली के गौरवः यूपीएससी अचीवर्स सम्मान समारोह 2026' में सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले 56 युवाओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सफल उम्मीदवारों से बातचीत की, उनके अनुभवों, संघर्षों और सफलता के सफर के बारे में जाना, और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। दिल्ली सरकार द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से पहली बार आयोजित इस समारोह में उम्मीदवारों के माता-पिता भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से बातचीत करके उनके बच्चों की उपलब्धियों और भावनाओं को समझा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी अथक मेहनत, अनुशासन और अटूट दृढ़ संकल्प के माध्यम से इन युवाओं ने न केवल अपने परिवारों को बल्कि पूरे शहर और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नवचयनित अधिकारी देश की प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ के रूप में काम करेंगे और विकास योजनाओं को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका समर्पण, संघर्ष और सेवा-भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिविल सेवाओं को केवल अधिकार पाने का ज़रिया नहीं, बल्कि एक सार्थक सेवा के अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "असली बदलाव तभी मुमकिन है, जब अधिकार के साथ-साथ कोई मकसद भी जुड़ा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की शिक्षा व्यवस्था को और ज़्यादा मजबूत, सबको साथ लेकर चलने वाली और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि हर साल दिल्ली से बड़ी संख्या में आईएएस,आईपीएस और दूसरे अधिकारी निकलें।

कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधीः भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए दिल्ली के उत्तम नगर में दलित युवक की हत्या पर राहुल गांधी के मौन को लेकर उनकी और कांग्रेस की जमकर आलोचना की।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस संवेदनशीलता का ढोंग करती है और इन्हें जब भी तुष्टिकरण और सामाजिक न्याय के बीच चुनाव करना पड़ा तो इन्होंने केवल तुष्टिकरण चुना। पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधी है और दलित समाज को कांग्रेस के साथ घुटन महसूस होती है। गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में जो दुर्घटना हुई है, उस पूरे विषय का राहुल गांधी द्वारा राजनीतीकरण किया जा रहा है। राहुल गांधी वहां जाते हैं जहां उन्हें राजनीतिक लाभ मिलता है, वो हाथरस जाते हैं लेकिन अभी तक वह उत्तम नगर नहीं गए। संवेदनशीलता का ढोंग करते हुए घटना के कई दिनों बाद बस एक ट्वीट के माध्यम से संवेदनाएं व्यक्त कीं गईं। राहुल गांधी आज संवेदन शून्य हो गए हैं, दलित समाज के एक नवयुवक की हत्या होती है, तो उनके मुंह में दही जम जाता है, जबकि मोहम्मद अखलाक के मामले में वो पहुंचे थे। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी वहीं जाते हैं जहां उन्हें राजनीतिक अवसरवादिता सिद्ध होती नजर आती है। इसके पीछे एक योजना है, इसके पीछे कांग्रेस पार्टी की संस्थागत सोच है। अगर तुष्टिकरण और सामाजिक न्याय के बीच चयन की स्थिति हो तो कांग्रेस पार्टी का इतिहास बताता है कि उन्होंने हमेशा तुष्टीकरण को चुना है।

शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में रोजगार बनाम सुरक्षा बड़ा मुद्दा

तमिलनाडु चुनाव

एजेंसी, शिवकाशी

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तमिलनाडु के औद्योगिक शहर शिवकाशी, जिसे "कुट्टी जापान" के नाम से जाना जाता है, में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। तमाम दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। ऐसे में यह सवाल अहम हो गया है कि यहां के मतदाताओं की अपेक्षाएं क्या हैं और पिछले चुनावी वादों पर कितना अमल हुआ है। दरअसल, शिवकाशी की पहचान देश के प्रमुख पटाखा उद्योग केंद्र के रूप में है, लेकिन यही उद्योग यहां की सबसे बड़ी चुनौती भी बन गया है। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार होने वाली दुर्घटनाएं लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। बीते वर्षों में इन हादसों में कई मजदूरों की जान जा चुकी है, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आया है।

इसके अलावा, प्रदूषण, रासायनिक कचरे का निस्तारण, मौसमी रोजगार और मजदूरों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी स्थानीय लोगों के लिए अहम मुद्दे बने हुए हैं। यहां के मतदाताओं का

कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। हालांकि, यह भी सच है कि शिवकाशी रोजगार का बड़ा केंद्र है। यहां हजारों पटाखा फैक्ट्रियों में करीब 7 लाख लोग सीधे और 3 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। इस उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। दीपावली और पंगुनी पोंगल जैसे अवसरों पर मजदूरों को विशेष बोनस भी दिया जाता है।

इसके अलावा, कैलेंडर, नोटबुक और पाठ्यपुस्तकों की छपाई एवं बाइंडिंग का उद्योग भी यहां बड़े पैमाने पर संचालित होता है, जिसका वार्षिक कारोबार करीब 2,000 करोड़ रुपये है। सूखा-प्रभावित इलाकों में किसान मुख्यतः मक्का की खेती करते हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें, तो विरुधुनगर जिले में स्थित शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अशोकन ने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की लक्ष्मी गणेशन को 17,319 मतों से हराया था। करीब ढाई लाख मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में 2021 के विधानसभा चुनाव में अशोकन को 78,947 वोट मिले थे, जबकि लक्ष्मी गणेशन को 61,628 मत प्राप्त हुए थे। तीसरे स्थान पर नाम तमिलर काची और चौथे स्थान पर अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के उम्मीदवार रहे। यह सीट विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को बढ़त मिली थी।

राजनीतिक दृष्टि से अन्नाद्रमुक को इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से मजबूत माना जाता है, जिसने 1977 से अब तक करीब पांच बार जीत दर्ज की है। ऐसे में आगामी चुनाव में उसके लिए संभावनाएं बनी हुई हैं, हालांकि मुकाबला कड़ा रहने के आसार हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में नाम तमिलर काची की ओर से डायना को उम्मीदवार घोषित किया गया है, जबकि अन्नाद्रमुक, द्रमुक और तमिलगा वेत्री कषगम ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

आसिम मुनीर की शिया धर्मगुरुओं को बोले- ईरान से मोहब्बत तो वहीं चले जाओ

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने गुरुवार को शिया धर्मगुरुओं से कहा कि जो लोग ईरान से इतना प्यार करते हैं, वे वहां चले जाएं। उनके इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने अपमानजनक और भड़काऊ बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर ने रावलपिंडी में शिया समुदाय की एक इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे किसी को भी, किसी दूसरे देश के लिए अपनी वफादारी की वजह से, पाकिस्तान में अफरा-तफरी फैलाने की इजाजत नहीं देंगे। इससे पहले उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि किसी दूसरे देश की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बयान के बाद शिया समुदाय का कहना है कि यह उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाने जैसा है। उनका मानना है कि यह बयान उनकी धार्मिक भावनाओं और पहचान को गलत तरीके से पेश करता है।

अचानक कार्यक्रम छोड़ गए मुनीरः रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक के बाद उलेमाओं से कहा गया था कि डिनर के बाद फिर से बातचीत होगी। लेकिन जनरल मुनीर अचानक कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इससे शिया नेताओं को लगा कि उनके साथ न सिर्फ औपचारिक

बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी अपमान किया गया है। शिया समुदाय के नेताओं ने इस विवाद के बाद कहा कि उनकी वफादारी पाकिस्तान और इस्लाम दोनों के प्रति है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान के निर्माण में शिया समुदाय का अहम योगदान रहा है। देश के कई बड़े नेता और संसाधन इस समुदाय से जुड़े रहे हैं। शिया नेताओं का कहना है कि मक्का, मदीना, इराक और ईरान जैसे धार्मिक स्थलों से उनका जुड़ाव उनकी आस्था का हिस्सा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी देशभक्ति कम है। उन्होंने साफ कहा कि धार्मिक संबंधों को देशभक्ति से जोड़कर देखना गलत है।

पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शनों से मुनीर नाराजः शिया धर्मगुरुओं का कहना है कि

♦ पाक आर्मी चीफ शिया इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे

मुनीर के बयान से ऐसा लगा कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में हुए विरोध प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बैठक में मौजूद शिया नेताओं ने कहा कि मुनीर ने गिलगित-बाल्टिस्तान में हुई अशांति को सीधे शिया लीडरशिप से जोड़ दिया और पूरे समुदाय को जिम्मेदार ठहराया।

शिया धर्मगुरु मोहम्मद शिफा नजफी ने कहा कि उन्होंने वहीं पर मुनीर की बात का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी शियाओं को इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। सभी को एक ही नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। नजफी ने यह भी बताया कि पाकिस्तान की सेना में भी शिया मौजूद हैं और देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना भी शिया थे। उनके मुताबिक, जब उन्होंने यह बात उठाई तो मुनीर के रवैये में थोड़ा बदलाव आया, लेकिन फिर भी उन्होंने कहा कि "अगर आप ईरान से इतना प्यार करते हैं, तो वहां चले जाएं, दरवाजे खुले हैं।"

मणिपुर के उखरुल-कांगपोकपी जिला के सीमावर्ती क्षेत्र में फायरिंग

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के उखरुल-कांगपोकपी जिला के सीमावर्ती इलाके में फायरिंग की दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत दो आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

इहांग-बुंगपी वर्किंग कमेटी और कुकी सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन (सीएसओ) वर्किंग कमेटी (उखरुल) ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया है कि संदिग्ध तांगखुल उग्रवादियों ने आज सुबह (शनिवार) दो बार फायरिंग की। पहली घटना सुबह-सुबह शांगखाई गांव में और दूसरी लेप्लेन-टिंगपिबुंग रोड पर हुई।

सबसे गंभीर घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। उस समय, टिंगपिबुंग से लेप्लेन जा रहे एक ऑटो-रिक्शा सनाकेथेल दिशा से ऑटोमैटिक हथियारों से फायरिंग की चपेट में आ गया। इससे ऑटो-रिक्शा गोलियों की चपेट में आ गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला है जिसे कमर में गोली लगी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इससे पहले, सुबह करीब 5:15 बजे, संदिग्ध उग्रवादियों ने शांगखाई गांव की तरफ 3 से 4 राउंड फायरिंग की। इससे इलाके में दहशत फैल

गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इहांग-बुंगपी वर्किंग कमेटी ने सुबह 9:30 बजे हुई इस घटना को बिना हथियार वाले आम लोगों पर प्लान किया गया हमला बताया। दूसरी ओर, कुकी सीएसओ वर्किंग कमेटी (उखरुल) ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह घटना ऐसे समय में हुई जब थेंगखिंग बाइटे और थांगबोइमांग लुंगकिम की मौत का दुख अभी कम नहीं हुआ था। कमेटी ने कहा कि उन्होंने प्रशासन के भरोसे पर 20 मार्च को बंद वापस लेकर सहयोग किया था। उन्होंने अधिकारियों से दोषियों की पहचान करने और उन्हें सज़ा दिलाने की मांग की ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

एलपीजी संकट-राज्यों को 20% ज्यादा गैस मिलेगी, 23 मार्च से नई व्यवस्था लागू होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट (प्री-क्राइसिस लेवल) से पहले के स्तर के 50% तक पहुंच जाएगी।

क्या है 'प्री-क्राइसिस लेवल'?: 'प्री-क्राइसिस लेवल' का मतलब उस समय से है जब देश में गैस संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम सप्लाई मिल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा (50%) किया गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है।

ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी प्राथमिकता: यह जो अतिरिक्त 20% गैस दी जाएगी, उसका इस्तेमाल चुनिंदा सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के अनुसार, यह सप्लाई मुख्य रूप से रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी। इसके पीछे सरकार का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट का असर कम से कम हो। गैस की अतिरिक्त

खेप का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई को भी प्राथमिकता सूची में रखा गया है ताकि आम लोगों तक भोजन की पहुंच बनी रहे। मंत्रालय ने प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी ख्याल रखा है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- ढाबों और होटलों को प्राथमिकता दें

पत्र में कहा गया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराया जाए। सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। यह नई आवंटन व्यवस्था 23 मार्च से शुरू होकर अगले नोटिफिकेशन तक लागू रहेगी। फिलहाल देश एलपीजी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में 50% तक की बहाली को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है ताकि आने वाले समय में इसे संकट से पहले वाले सामान्य स्तर (100%) तक ले जाया जा सके।

क्यों बने ऐसे हालात?: ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी 2026 को हमला कर दिया था । दोनों देशों ने मिलकर ईरान के कई सैन्य ठिकानों, मिसाइल साइटों, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व पर सैकड़ों हवाई हमले किए। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनी समेत कई उच्च अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव और आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80-85% LPG आयात होता है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 ज़ारी- भारत 147 देशों में 116 वें स्थान पर है-चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद ख़ुशहाली के पैमाने पर इतना पीछे क्यों है?- समग्र अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» ख़ुशहाली केवल आर्थिक समृद्धि का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता,उदारता और जीवन संतुलन जैसे कई कारकों का सम्मिलित परिणाम है।

» सरकारों द्वारा नागरिकों क़ो भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासनिक पारदर्शी सेवा,उच्च सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक असमानताओं को न्यूनतम रखना, ख़ुशहाली का मंत्र -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज के दौर में खुशी केवल एक भावनात्मक अनुभव नहीं रही, बल्कि यह एक बहुआयामी सामाजिक- आर्थिक सूचकांक बन चुकी है,जिसेवैज्ञानिक तरीके से मापा और विश्लेषित किया जाता है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 इसी सोच का प्रतिफल है, जिसे यूनाइटेड नेशन्स के समर्थन से और यूनिवर्सिटी ऑफ़ ऑक्सफ़ोर्ड के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि खुशहाली केवल आर्थिक समृद्धि का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, स्वास्थ्य,स्वतंत्रता,उदारता और जीवन संतुलन जैसे कई कारकों का सम्मिलित परिणाम है।रिपोर्ट 2026 में एक बार फिर फिनलैंड ने लगातार नौवीं बार दुनियाँ के सबसे खुशहाल देश का स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि केवल संयोग नहीं बल्कि एक मजबूत सामाजिक संरचना, पारदर्शी शासन और उच्च जीवन स्तर का परिणाम है।डेनमार्क आइसलंड ,स्वीडेन और नॉर्वे जैसे अन्य नॉर्डिक देश भी शीर्ष दस में अपनी जगह बनाए हुए हैं। इन देशों में नागरिकों को उच्च सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक पारदर्शिता प्राप्त है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हू क़ि इन देशों की सफलता यह दर्शाती है कि जब सरकारें नागरिकों के जीवन स्तर को प्राथमिकता देती हैं और सामाजिक असमानताओं को न्यूनतम रखती हैं, तब खुशहाली स्वतःबढ़ती है। यहां ट्रस्ट यानें सामाजिक विश्वास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,लोग सरकार,संस्थाओं और एक-दूसरे पर बहुत भरोसा करते हैं। साथियों बात अगर हम भारत की स्थितिःआर्थिक शक्ति बनाम खुशहाली का विरोधाभास को समझने की करें तो भारत की

स्थिति इस रिपोर्ट में चिंताजनक बनी हुई है। 10 में से 4.536 के स्कोर के साथ भारत 147 देशों में 116वें स्थान पर है। हालांकि यह पिछले वर्ष के 118वें स्थान से थोड़ा सुधार दर्शाता है, फिर भी यह नेपाल (99) और पाकिस्तान (104) जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।यह स्थिति एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है,जब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,तो खुशहाली के पैमाने पर वह इतना पीछे क्यों है? इसका उत्तर रिपोर्ट के छह प्रमुख मानकों में छिपा हैःप्रति व्यक्ति आय,सामाजिक समर्थन,जीवन प्रत्याशा, स्वतंत्रता उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।भारत में आर्थिक विकास तो हुआ है, लेकिन इसका लाभ समान रूप से सभी वर्गों तक नहीं पहुंच पाया। बढ़ती आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, मानसिक तनाव, और कमजोर सामाजिक सुरक्षा तंत्र खुशहाली को प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा, शहरी जीवनशैली में बढ़ता अकेलापन और पारिवारिक संबंधों में दूरी भी इस गिरावट का एक बड़ा कारण है। साथियों बात अगर हम युद्धग्रस्त देशों की बेहतर रैंकिंगःएक चौंकाने वाला सच को समझने की करें तो,इस रिपोर्ट का सबसे आश्चर्यजनक पहलू यह है कि युद्ध और संघर्ष से जूझ रहे देश भी कई मामलों में भारत से आगे हैं। इजराइल शीर्ष 10 में शामिल है, जबकि यूक्रेन और रूस की रैंकिंग भी अपेक्षाकृत बेहतर है।यह स्थिति दर्शाती है कि खुशहाली केवल बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती,बल्कि यह आंतरिक सामाजिक एकजुटता, राष्ट्रीय पहचान और सामुदायिक समर्थन पर भीआधारित होती है।युद्ध के समय लोगों के बीच एकजुटता और सहयोग की भावना बढ़ जाती है,जो उनके मानसिक संतोष को बनाए रखने में मदद करती है। साथियों बात अगर हम खुशी रेटिंग में मददगार मानदंडों को समझने की करें तो ःवैज्ञानिक दृष्टिकोण से मूल्यांकन रिपोर्ट में खुशी को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया गया है, प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा,जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।इन मानकों का विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि केवल आर्थिक समृद्धि पर्याप्त नहीं है। उदाहरण के लिए, उच्च जीडीपी वाले देशों में भी यदि सामाजिकअसमानता अधिक है या भ्रष्टाचार व्याप्त है,तो वहां खुशहाली का स्तर कम हो सकता है।नॉर्डिक देशों ने इन सभी मानकों में संतुलन स्थापित किया है, जबकि भारत जैसे देशों में यह संतुलन अभी विकसित हो रहा है। साथियों बात अगर हमडिजिटल युग की चुनौतीःसोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य को समझने की करें तो, रिपोर्ट 2026 का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष डिजिटल जीवनशैली के प्रभाव से जुड़ा है। विशेष रूप से युवाओं और बच्चों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।यूनाइटेड स्टेट्स,कनाडा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलंड जैसे देशों में युवाओं की जीवन संतुष्टि में गिरावट दर्ज की गई है। शोध के अनुसार,जो किशोर प्रतिदिन 5 घंटे या उससे अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें मानसिक संतुष्टि का स्तर काफी कम पाया गया है।विशेष रूप से किशोर लड़कियां इस प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील पाई गई हैं। एल्गोरिदम आधारित कंटेंट, इन्फ्लुएंसर संस्कृति और लगातार तुलना की भावना मानसिक तनाव और असंतोष को बढ़ा रही है। डिजिटल संतुलन की आवश्यकताः भविष्य की नीति दिशाइस स्थिति को देखते हुए कई देश अब सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं।नाबालिगों के लिए स्क्रीन टाइम सीमित करने, डेटा एल्गोरिदम को नियंत्रित करने और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि संतुलित डिजिटल उपयोग ही दीर्घकालिक खुशहाली का सटीक रूप से आधार बन सकता है। वास्तविक जीवन के संबंधों को मजबूत करना और ऑनलाइन दुनिया के साथ स्वस्थ संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। साथियों बात अगर हम अमीर होना इक्वल टू खुशहोना? एक मिथक का खंडन है इसको समझने की करें तो, रिपोर्ट का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अमीर होना खुशी की गारंटी नहीं देता। कई उच्च आय वाले देशों में भी मानसिक तनाव, अकेलापन और असंतोष बढ़ रहा है।यहां भारतीय दर्शन का संतोषी सदा सुखी सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।संतोष,सामुदायिक जीवन, पारिवारिक संबंध और आध्यात्मिकता जैसे तत्व भारत की सांस्कृतिक ताकत हैं,जो खुशहाली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।भारत के लिए सीखः इस रिपोर्ट में दर्शी गई है नीतिगत और सामाजिक सुधार की आवश्यकता को प्राथमिकता देना होगा जिसमें आरक्षण को फिर एक बार प्रश्न चिन्ह के दायरे में ला दिया है भारत के लिए इस रिपोर्ट से कई महत्वपूर्ण सीख निकलती हैं। सबसे पहले,आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा और समानता पर ध्यान देना आवश्यक है।दूसरा, मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। स्कूलों और कॉलेजों में काउंसलिंग सेवाएं, कार्यस्थलों पर वर्क-लाइफ बैलेंस और डिजिटल डिटॉक्स जैसे उपाय अपनाने होंगे।तीसरा,सामाजिक संबंधों को मजबूतकरना जरूरी है।परिवार और समुदाय के स्तर परसहयोग और संवाद को बढ़ावा देना होगा। चौथा, भ्रष्टाचार को कम करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने से लोगों का विश्वास बढ़ेगा, जो खुशहाली का एक महत्वपूर्ण कारक है। साथियों बात अगर हम इस रिपोर्ट कोवैश्विक निष्कर्षः खुशहाली का भविष्य कैसा होगा? इस एंगल से समझने की करें तोवर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक समाज के लिए एक दर्पण है। यह दिखाता है कि आने वाले समय में खुशहाली के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा।डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और जीवन संतुलन जैसे कारक और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएंगे। सरकारों, संस्थाओं और व्यक्तियों को मिलकर एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां विकास और खुशहाली दोनों साथ-साथ चलें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि संतुलन ही असली खुशी का आधार है इसीलिए,यह कहा जा सकता है कि खुशहाली एक जटिल लेकिन प्राप्त करने योग्य लक्ष्य है। फिनलैंड और अन्य नॉर्डिक देशों ने यह साबित कर दिया है कि सही नीतियों और सामाजिक संरचना के माध्यम से उच्च स्तर की खुशहाली प्राप्त की जा सकती है।भारत के पास भी अपनी सांस्कृतिक और सामाजिक ताकतें हैं, जिन्हें सही दिशा में उपयोग करके वह अपनी खुशहाली को बढ़ा सकता है।आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम आर्थिक विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, सामाजिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को भी समान महत्व दें।संतोष ही सबसे बड़ा सुख है, यह प्राचीन भारतीय विचार आज के आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

विकास की अंधी दौड़ में कहीं प्यासी न रह जाएं हमारी आने वाली पीढ़ियां

लेखक - दिलीप कुमार पाठक

विश्व जल दिवस यह कैलेंडर की कोई साधारण तारीख नहीं है, बल्कि हमारे वजूद की सबसे बुनियादी सच्चाई से रूबरू होने का एक गंभीर अवसर है। सुबह की पहली चाय की महक से लेकर रात को सुकून की नींद से पहले पिए गए पानी के उस आखिरी ठंडे घूँट तक, जल हमारे जीवन के हर कतरे और हमारी हर कोशिका में समाया हुआ है। ज़रा ठहरकर सोचिए, उस जल के बिना हमारा क्या वजूद रह जाएगा? वह जल जो प्यासे कंठ को तृप्ति देता है, तपती धरती की सदियों पुरानी प्यास बुझाता है और एक नन्ही सी कोपल को विशाल वृक्ष बनने का हौसला और पोषण देता है। हम अक्सर इसे महज़ एक संसाधन कह देते हैं, पर सच तो यह है कि यह एक पवित्र रिश्ता है, प्रकृति का हमसे और हमारा उन मासूम पीढ़ियों से, जिन्हें अभी इस दुनिया में कदम रखना है। बचपन की वे यादें आज भी दिल के किसी कोने में ताज़ा हैं, जब बारिश की पहली बूंद सूखी मिट्टी पर गिरती थी और एक सोंधी सी खुशबू पूरे घर के आँगन और रूह को महका देती थी। वह खुशबू दरअसल जीवन के मुस्कुराने की पहली आहट थी, जो हमें बताती थी कि कुदरत अभी हमसे रूठी नहीं है। लेकिन आज जब हम कंक्रीट के गगनचुंबी जंगलों में कैद होकर विकास का जश्न मना रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि हमने तरक्की की इस अंधी दौड़ में उन मासूम घरों को उजाड़ दिया है जहाँ कभी पानी खिलखिलाता था। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और चमकते हुए डामर के रास्तों ने धरती की कोख पर ऐसी चादर बिछा दी है कि बादलों के आँसू अब पाताल के कलेजे तक पहुँच ही नहीं पाते।

वह समय अब एक धुंधला याद बनता जा रहा है जब गांव के कुएं, बावड़ियाँ और शहरों के तालाब समाज की सामूहिक पूंजी हुआ करते थे। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए इन प्राकृतिक बसेरों को पाट दिया और ऊपर कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए। अगर हम अपना सूक्ष्म मूल्यांकन करें, तो पाएंगे कि हम उस अमृत के गुनहगार हैं जिसे हमने प्रदूषण और रसायनों से ज़हरीला बना दिया है। आज हमारी नदियाँ, जो कभी सभ्यताओं की जननी हुआ करती थीं, उद्योगों का कचरा और शहर की गंदगी ढोने वाली बेजान नहरें बनकर रह गई हैं। भू-जल का बेहिसाब दोहन पाताल को खाली कर रहा है और हम बोतलों में बंद पानी खरीदकर खुद को सुरक्षित समझने के भ्रम में जी रहे हैं। यह संकट केवल सूखे हुए हैंडपंपों का नहीं है, बल्कि हमारी मरती हुई मानवीय संवेदनाओं का है। नीति आयोग और दुनिया भर की संस्थाएं बार-बार डे ज़ीरो की भयावह चेतावनी दे रही हैं, पर हम अपने घरों के खुलते नलों और वाशिंग मशीनों के शोर में उन चीखों को अनसुना कर रहे हैं। ज़रा सोचिए, क्या हम वास्तव में अपने बच्चों को विरासत में केवल प्यास और सूखी नदियाँ देना चाहते हैं? तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि दुनिया की कोई भी प्रयोगशाला आज तक पानी की एक बूंद भी पैदा नहीं कर सकी है। यह केवल कुदरत का वह जादुई उपहार है जिसे हम मुफ्त समझकर लुटा रहे हैं।

वह किसान जो फटी आँखों से बादलों की ओर टकटकी लगाए बैठा है, वह मां जो कोसों दूर से मटका सिर पर रखकर पानी लाती है, और वह पंछी जो सूखे ताल पर प्यास से छटपटा रहा है, इन सबकी पुकार अब हमारे कानों तक पहुँचनी ही चाहिए। जल संरक्षण अब कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक धर्म होना चाहिए। वर्षा जल संचयन को अब शौकिया नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाना होगा ताकि हम धरती के उस पुनर्भरण की क्षमता को फिर से जीवित कर सकें जिसे हमने छीन लिया है। एक टपकता हुआ नल केवल पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की चोरी है। हमें अपनी जीवनशैली के उस हर हिस्से को बदलना होगा जहाँ हम पानी को बेशर्मी से बहाते हैं। जल ही वह अंतिम धागा है जिसने पूरी सृष्टि को एक माला में पिरोया हुआ है, और इस धागे को बचाना ही अब हमारा एकमात्र मकसद होना चाहिए। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन जल का स्रोत मौन हो जाएगा, उस दिन हमारी तरक्की का सारा संगीत भी हमेशा के लिए थम जाएगा। आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा।

नीला सोना(जल) : संकट, समाधान और संकल्प

लेखक- सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में, यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित एक वैश्विक पहल है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1993 से हुई थी। दरअसल, इस दिवस का विचार वर्ष 1992 में रियो-डी-जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान सामने आया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल पंचमहाभूतों-जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है।शायद इसी कारण से यह कहा गया है-जल ही जीवन है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के 17 लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सभी के लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता को वर्ष 2030 तक सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारतीय संस्कृति और परंपराएं, प्राचीन सभ्यताओं का विकास तथा धरती पर जल की उपलब्धताः- भारतीय परंपरा और वेद-शास्त्रों में जल की महत्ता को विशेष रूप से स्वीकार किया गया है। सृष्टि निर्माण में अग्नि के पश्चात जल तत्व का स्थान बताया गया है। रहीम जी का प्रसिद्ध दोहा-रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून... , जल के महत्व को सरल शब्दों में स्पष्ट करता है। संस्कृत में भी कहा गया है-जलस्य रक्षणम् अनिवार्यम्, विना जलं सर्वं नश्येत्। इतिहास साक्षी है कि प्राचीन सभ्यताएँ-सिंधु, नील, दजला और फरात आदि नदियों के किनारे ही विकसित हुईं, जो जल के महत्व को रेखांकित करती हैं। पाठक जानते हैं कि हमारी पृथ्वी(नीले ग्रह) का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है, किंतु इसमें से मात्र 3% ही मीठा जल है, और उसका भी अधिकांश भाग जमे हुए या दुर्गम रूप में उपलब्ध है। यही कारण है कि जल संरक्षण आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना, जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस सीमित संसाधन का संरक्षण करना है। यह दिन जल से जुड़े वैश्विक संकटों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए समर्पित है।

वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' :- वर्ष 2024 में 31वाँ विश्व जल दिवस 'शांति के लिए जल' थीम के साथ मनाया गया, जबकि 2025 का विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' रखा गया था। उल्लेखनीय है कि ग्लेशियर पेयजल, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' रखी गई है, जिसका नारा है- जहाँ जल बहता है, वहीं समानता बढ़ती है। वास्तव में, यह थीम इस तथ्य को उजागर करती है कि जल संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, क्योंकि विश्व में जल लाने की 80% जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। जिन क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध होता है, वहाँ लड़कियों की शिक्षा दर में लगभग 15% वृद्धि देखी गई है।

आज विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचितः- 'वर्चुअल वॉटर' की अवधारणा जल उपयोग की गंभीरता को दर्शाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक कप कॉफी के उत्पादन में लगभग 140 लीटर पानी खर्च होता है। वहीं पर, एक स्मार्टफोन के निर्माण में लगभग 12,000 लीटर और एक किलो पनीर बनाने में लगभग 5,000 लीटर पानी लगता है। नवीनतम आंकड़ों (2026) के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित है और 3.5 अरब लोग बुनियादी स्वच्छता से दूर हैं। वैश्विक मीठे जल का 70% उपयोग कृषि में होता है, जबकि असुरक्षित जल के कारण हर वर्ष लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

भारत में जल महोत्सव-8 से 22 मार्च तक :-

भारत में 'जल जीवन मिशन' के तहत 8 से 22 मार्च तक 'जल महोत्सव' मनाया जा रहा है, जिसकी टैगलाइन है- गाँव का उत्सव, देश का महोत्सव। साथ ही 'ब्लू पीस', 'स्पंज सिटी', डिजिटल वाटर प्रबंधन और स्मार्ट सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में नए प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे सिंचाई में 40% तक जल बचत का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान के पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे कि टांका और खड़ीन भी जल संरक्षण के प्रभावी मॉडल के रूप में पुनर्जीवित की जा रही हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, अस्थिर कृषि पद्धतियाँ, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और अत्यधिक जल दोहन जैसे कारकों ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज जित देखो तित भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और प्रदूषण के कारण जल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। झरने, बावड़ियाँ, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं, जिनके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। भारत विश्व की 18% आबादी का पोषण करता है, जबकि उसके पास मात्र 4% जल संसाधन हैं। पिछले 40 वर्षों में वैश्विक जल उपयोग लगभग 1% प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। अनुमान है कि 2050 तक जल संकट से प्रभावित शहरी आबादी 1.7 से 2.4 अरब तक पहुँच सकती है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय भूजल रिपोर्ट (2024) के अनुसार, देश के 440 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जो 2017 में 359 जिलों में थी। 15,239 नमूनों में से 19.8% में नाइट्रेट सुरक्षित सीमा (45 मिलीग्राम/लीटर) से अधिक पाया गया है। राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%) और तमिलनाडु (37%) में यह समस्या अधिक गंभीर है। देश में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% तक पहुँच चुकी है, जो चिंताजनक है। अतः इन परिस्थितियों में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे नल बंद रखना, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण-हजारों-लाखों लीटर पानी बचा सकते हैं। आज जल का अंधाधुंध व असीमित दोहन किया जा रहा है,इस क्रम में यहां महात्मा गांधी का कथन भी प्रासंगिक है- प्रकृति सबकी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं। अंततः, यह स्पष्ट है कि जल के बिना न तो जीवन संभव है, न ही सतत विकास। यदि समय रहते हम जल संरक्षण के प्रति सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट और गहरा होगा। भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है-गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी-जो जल के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाता है। इसलिए यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम जल को संरक्षित करें,इसे प्रदूषण से बचाएँ और इसके महत्व को समझें, क्योंकि सच यही है-जल है तो कल है।

जल और लिंग : असमानता के बीच जीवन की जंग

लेखक-योगेश कुमार गोयल

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं। महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते।

फुटबॉल की वैश्विक संस्था ने इस्राइल पर क्यों लगाया जुर्माना?

मैक्सिको में नहीं होंगे ईरान के मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा ने इस्राइल फुटबाल संघ पर भेदभाव और नस्लीय दुर्व्यवहार के साथ अपमानजनक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन से संबंधित अनुशासनात्मक आरोपों के लिए जुर्माना लगाया है। वहीं, वैश्विक निकाय ने फीफा विश्व कप के कार्यक्रम में बदलाव की संभावनाओं को खारिज किया है।

फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने भेदभाव विरोधी

नियमों का उल्लंघन करने के लिए इस्राइल फुटबाल महासंघ पर जुर्माना लगाया है। लेकिन वेस्ट बैंक की बस्तियों में स्थित क्लबों को अनुमति देने के लिए इस्राइल को वैश्विक फुटबाल से निलंबित करने के फलस्तीन के अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की है। वहीं, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ईरान के विश्व कप मैचों को अमेरिका से मैक्सिको में स्थानांतरित करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। इन्फेंटिनो ने कहा कि फीफा चाहता है कि टूर्नामेंट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़े। फीफा ने इस दौरान फलस्तीनी फुटबाल महासंघ की दो अलग याचिकाओं पर विचार किया। फीफा ने इस्राइल फुटबाल संघ पर भेदभाव और नस्लीय दुर्व्यवहार के साथ अपमानजनक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन से संबंधित अनुशासनात्मक आरोपों के लिए 190,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया। फीफा ने फलस्तीनियों के बहिष्कार के लिए जिम्मेदार ठहराया।

डोप टेस्ट फेल होने पर स्नेहा कोल्लेरी पर कार्रवाई

AIU ने तीन साल के लिए किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय धाविका स्नेहा कोल्लेरी को डोपिंग उल्लंघन के मामले में एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। भारतीय महिला धाविका स्नेहा कोल्लेरी को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह फैसला एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने सुनाया है, जिसने उनके दूषित सप्लीमेंट के दावे को खारिज कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

26 वर्षीय कोच्चि की रहने वाली स्नेहा को पिछले साल एशियन चैंपियनशिप टीम से बाहर कर दिया गया था, जब उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया। 10 मई को चीन के ग्वांगझोउ में प्रतियोगिता के दौरान लिए गए सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल पाया गया। जांच में स्टैनोजोलोल मेटाबोलाइट की पुष्टि हुई, जो विश्व एंटी-डोपिंग नियमों के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित है।

पहले नेगेटिव, फिर पॉजिटिव कैसे?

दिलचस्प बात यह रही कि पहले किए गए टेस्ट नेगेटिव थे। लेकिन चंडीगढ़ में लिए गए पुराने सैंपल की दोबारा जांच में भी स्टैनोजोलोल पाया गया। इससे एआईयू ने उनके खिलाफ दूसरा डोपिंग चार्ज भी जोड़ दिया।

आईपीएल 2026: ऑस्ट्रेलिया के 4 दिग्गज शामिल

शुरुआती मैचों में 9 विदेशी खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग-2026 (आईपीएल 2026) की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। लीग का 19वां सीजन अपनी शुरुआत से पहले ही बड़े खिलाड़ियों की फिटनेस की समस्या की वजह से चर्चा में है। आईपीएल 2026 के शुरुआती मैचों में फिटनेस और अन्य कारणों से 9 विदेशी खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे। इसमें 4 खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई हैं। आइए देखते हैं कि कौन-कौन से विदेशी खिलाड़ी फिटनेस की समस्या की वजह से आईपीएल के 19वें सीजन के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कप्तान पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) पूरी तरह फिट नहीं है। वह लीग के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। इस वजह से एसआरएच की कप्तानी ईशान किशन को सौंपी गई है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया) भी पूरी तरह फिट नहीं हैं और रिकवरी की राह पर हैं। वह 12 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ चौथे लीग मैच से पहले टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया) भी टीम के लिए शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें रोका गया है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाड़ी मैथ्यू शॉर्ट (ऑस्ट्रेलिया) अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन (न्यूजीलैंड) आईपीएल 2026 के शुरुआती 7 मैच नहीं खेल पाएंगे। वह अपनी पत्नी और हाल ही में जन्म लिए बच्चे के साथ समय बिताने के लिए स्वदेश में हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना (श्रीलंका) सीजन के पहले दो सप्ताह के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के स्पिनर वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका) भी चोटिल हैं। उनके शुरुआती मैचों में खेलने पर संशय है। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा (श्रीलंका) कंधे की चोट के कारण श्रीलंका में हैं। बोर्ड द्वारा फिटनेस कराए जाने और पास होने के बाद ही उन्हें आईपीएल से जुड़ने के लिए मंजूरी मिलेगी। शुरुआती मैचों से उनका बाहर रहना तय है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा (श्रीलंका) भी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद ही टीम से जुड़ पाएंगे।

आईपीएल 2026

'एक भी मिनट बर्बाद ना करें'

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला पिछले बार की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। मैच आरसीबी के होम ग्राउंड एम.

चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच और पूरे सीजन में अच्छे प्रदर्शन के लिए आरसीबी कैंप में खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे हैं। अभ्यास सत्र के दौरान दिग्गज खिलाड़ी और टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने साथी खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और बिना समय गंवाए अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने की अपील की। कोहली ने कहा कि टाइटल को डिफेंड करने के लिए हमें काफी बेहतर तैयारी के साथ मैदान पर उतरना पड़ेगा। आरसीबी की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें विराट कोहली टीम के बाकी खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए दिखाई दिए। कोहली ने कहा, 'पिछले दो से तीन सीजन में हमने काफी कड़ी मेहनत की है, जिसके बाद हम पिछले

- **कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र**

सीजन ट्रॉफी जीतने में कामयाब हो सके। अब हमारे लिए चीजें और मुश्किल होने वाली हैं क्योंकि दूसरी टीमें और भी बेहतर तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगी। हम सीजन का आगाज होने से पहले इन दिनों को बर्बाद नहीं कर सकते हैं। इसलिए अब हमें पूरी तरह से तैयार हो जाना चाहिए। हम जिस भी सेशन का हिस्सा हैं, उसका एक भी मिनट बर्बाद ना करें। 'विराट ने कहा कि सभी खिलाड़ियों को अपना 120 प्रतिशत देना होगा।

विराट कोहली 2008 से ही टीम से जुड़े हुए हैं। लंबे समय तक टीम के कप्तान रहे हैं और टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में शीर्ष पर हैं। विराट के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। यह टीम का पहला खिताब था। इसमें बतौर बल्लेबाज विराट कोहली की भूमिका बेहद अहम रही थी।

बीसीसीआई ने जारी किया शेड्यूल

भारतीय टीम करेगी आयरलैंड का दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार की सुबह जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून-2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी। बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। देखना होगा कि आगामी दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली वो टीम आयरलैंड जाती है जिसने विश्व कप जीता था, या किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में युवा टीम भेजती है।

भारतीय टीम का टी20 में आयरलैंड के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड सौ प्रतिशत रहा है। दोनों टीमों के बीच 8 मैच खेले गए हैं और सभी मैचों में टीम इंडिया विजयी रही है। आयरलैंड ने भी साल 2026 के लिए अपने शेड्यूल का ऐलान किया है। आयरलैंड भारत के खिलाफ सीरीज से पहले वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज टी20 (28 मई-4 जून तक) खेलेगी। आयरलैंड को अफगानिस्तान के खिलाफ 5 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 5 से 14 अगस्त के बीच खेली जाएगी। अफगानिस्तान में महिलाओं और महिला क्रिकेट टीम के अधिकारों ते हनन के खिलाफ मुखर रही आयरलैंड का अफगानिस्तान टीम के साथ वनडे सीरीज खेलने का फैसला चौंकाने वाला है। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी सारा कीन ने कहा, 'यह फैसला न तो वित्तीय कारणों से लिया गया है और न ही किसी कानूनी मजबूरी में, बल्कि इसे संगठन के व्यापक हित में लिया गया है।'

व्यापार

लद गए सोने और चांदी के अच्छे दिन, 1 हफ्ते में गोल्ड का रेट 12766 रुपये लुढ़का, चांदी में 29645 की गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते कई महीनों में पहली बार सोने और चांदी की कीमतों में इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। कच्चे तेल की कीमतों तेजी, डॉलर का मजबूत होना और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का बुरा असर सोने और चांदी पर पड़ा है। अमेरिकी फेड रिजर्व ने मिडिल ईस्ट के तनाव की वजह से सतर्क रहने की बात कही है। जिसकी वजह से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कर लोगों को झटका लगा है। बता दें, शुक्रवार को सोने का भाव टूटटकर 145570 रुपये के स्तर पर आ गया। इस हफ्ते अबतक सोने की कीमतों में 12766 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी से

किसी एक हफ्ते में सोने की यह सबसे बड़ी गिरावट है। मार्च में अबतक सोने का भाव 15330 रुपये लुढ़क चुका है। अगर इस पूरे महीने सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही तब 15 महीने में पहली बार होगा किसी एक महीने में सोने में सिर्फ बिकवाली हुई हो। चांदी पर भी दबाव इस समय देखा जा सकता है। शुक्रवार चांदी का रेट 228871 रुपये प्रति किलोग्राम था। इस हफ्ते चांदी की कीमतों में 29645 रुपये की गिरावट आई है। इससे पहले जनवरी के आखिरी हफ्ते में चांदी की कीमतों में 69047 रुपये की गिरावट देखने को मिली थी।

ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल सर्विसेज के कमोडिटी एक्सपर्ट मानव मोदी कहते हैं कि सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे यूएस डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में तेजी है। इस हफ्ते कच्चे तेल का भाव 4 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सप्लाई चेन प्रभावित होने की वजह से महंगाई बढ़ने के आसार हैं। जिसे नियंत्रित करने के लिए दुनिया भर के सेंट्रल बैंक ब्याज दरों में इजाफा शुरू कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को बढ़ा दिया है। वहीं, यूरोपियन सेंट्रल बैंक, स्विस नेशनल बैंक और बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों में कटौती की घटती संभावना की ओर इशारा किया है।

रिकॉर्ड डेट 30 मार्च से पहले, 5 साल में 1054 प्रतिशत का दिया रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। 17 साल के बाद एक बार फिर से हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस शेयर के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। जोकि इसी महीने है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड ने बताया है कि एक शेयर पर एक शेयर बोनस बांटा जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 27 मार्च 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। इससे पहले कंपनी ने 2008 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेडने एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिए थे। शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेडके शेयरों का भाव बीएसई में 0.89 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1485.80 रुपये के स्तर पर था।

कंटेंट और कॉमर्स की एक मिली-जुली दुनिया में जी रही है जेन अल्फा

मुंबई, एजेंसी। छोटे वीडियो अब व्लॉग्स में घुल-मिल गए हैं, जो आगे चलकर गेमप्ले में बदल जाते हैं और फिर ऐसा स्पॉन्सर्ड कंटेंट सामने आता है जो किसी दोस्त की सलाह जैसा लगता है। यहाँ स्क्रीन कभी बंद नहीं होती। जेन अल्फा डिजिटल स्ट्रीम को सिर्फ देखती नहीं, बल्कि उसी के भीतर रहती है। यह वह हकीकत है—जो पूरी तरह से डिजिटल दुनिया में डूबी और कमर्शियल रूप से सक्रिय है—जिसे एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) एकेडमी ने समझने की कोशिश की है। फ्यूचरब्राण्ड्स कंसल्टिंग के साथ मिलकर एएससीआई एकेडमी ने 'व्हाट द सिग्मा?' नाम की एक अनोखी रिसर्च स्टडी जारी की है। यह अध्ययन 7 से 15 साल के बच्चों (जेनरेशन अल्फा) पर केंद्रित है, जिसमें देखा गया है कि वे इस हाइपर-डिजिटल माहौल में मीडिया और कंटेंट से कैसे जुड़ते हैं और कमर्शियल मैसेज को कैसे पहचानते व समझते हैं। एएससीआई एडट्रस्ट समिट 2026 में पेश की गई यह स्टडी छह भारतीय शहरों में की गई गहन रिसर्च पर आधारित है। इसमें घरों में जाकर इंटरव्यू लिए गए और भाई-बहनों व दोस्तों के बीच की बातचीत को समझा गया। साथ ही माता-पिता, शिक्षकों, काउंसलर्स, मनोवैज्ञानिकों, मार्केटर्स और किड-इन्फ्लुएंसर्स के साथ विस्तार से चर्चा की गई। यह स्टडी बच्चों के कंटेंट और विज्ञापनों के साथ जुड़ाव के अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल करती है। साथ ही यह भी समझती है कि माता-पिता, शिक्षक, विज्ञापनदाता और एल्गोरिदम बच्चों के डिजिटल एक्सपोज़र को किस तरह प्रभावित करते हैं। एएससीआई की सीईओ और सेक्रेटरी जनरलमनीषा कपूरने कहा, एएससीआई एकेडमी की स्टडी 'व्हाट द सिग्मा?' जेनरेशन अल्फा की डिजिटल लाइफ की एक जांच है—उन्हें जज करने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर ढंग से समझने के लिए। उनके कल्चरल रेफरेंस पॉइंट्स पिछली पीढ़ियों से बिल्कुल अलग हैं। विज्ञापन को वे कैसे देखते हैं, यह जानकारी जिम्मेदार जुड़ाव के नए फ्रेमवर्क बनाने की दिशा में पहला कदम है, क्योंकि वे अभी हमारे देश के सबसे कम उम्र के मीडिया कंज्यूमर्स हैं।

हंगामा ओटीटी ने अपना नया क्राइम ड्रामा 'जंग' रिलीज किया

मुंबई, एजेंसी। हंगामा ओटीटी ने अपना नया क्राइम ड्रामा 'जंग' रिलीज कर दिया है, जो 18 मार्च 2026 से स्ट्रीम हो रहा है। गुजरात के अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड के सख्त और बेरहम माहौल में बनी यह सीरीज धोखे, जिंदा रहने की जद्दोजहद और छुपे सच की कहानी दिखाती है। कहानी के केंद्र में है कावेरी, एक ऐसी गृहिणी जो अपने शांत और साधारण पति बकुल के साथ बिना प्यार वाली शादी में जी रही है। अकेलेपन से निकलने के लिए वह एक स्क्रैपयार्ड में काम करने वाले व्यक्ति के करीब आ जाती है। शुरुआत में यह बस एक भावनात्मक सहारा लगता है, लेकिन जल्द ही मामला ब्लैकमेल तक पहुंच जाता है और कावेरी अपराध, साजिश और हत्या के खतरनाक जाल में फंसती चली जाती है। मामला गंभीर होता है तो जांच की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर सार्थक के पास आती है, जिसका कावेरी से पुराना और उलझा हुआ रिश्ता रहा है। जैसे-जैसे जांच आगे बढती है, सच्चाई और भी गहरी और डरावनी होती जाती है। आखिर में खुलासा होता है कि कावेरी एक बहुत बडे खेल का हिस्सा बन चुकी है, जिसे उसका अपना पति चला रहा है। वह गुप्त रूप से एक ताकतवर ड्रग साम्राज्य चला रहा है और कावेरी को अपने दुश्मनों को खत्म करने के लिए इस्तेमाल कर रहा है।

आईवीएफ उपचार और आर्थिक बाधाएँ: भुगतान योजनाएँ कैसे मदद कर रही हैं

मुंबई, एजेंसी। फर्टिलिटी क्लिनिक में होने वाली शुरुआती बातचीत आमतौर पर संभावनाओं से जुड़ी होती है। पेशेंट्स यह समझना चाहते हैं कि उनके लिए कौन से विकल्प उपलब्ध हैं, उपचार किस तरह आगे बढ़ सकता है और आधुनिक प्रजनन चिकित्सा वास्तव में क्या समाधान प्रदान कर सकती है। सहायक प्रजनन तकनीकों में हुई प्रगति के साथ आज उपचार किसी एक तय ढांचे तक सीमित नहीं रहा है। डॉ. सोनल चौकसी, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, भोपाल का कहना है कि अब उपचार योजनाएँ अधिक व्यक्तिगत होती जा रही हैं, जिससे डॉक्टर पेशेंट्स की मेडिकल हिस्ट्री, उम्र और अन्य महत्वपूर्ण कारकों को ध्यान में रखते हुए उपचार की दिशा तय कर पाते हैं।

जैसे ही उपचार की योजना स्पष्ट होती है, कई परिवारों के सामने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न आता है कि उपचार को बिना देर किए कैसे शुरू किया जाए, जबकि लंबे समय की आर्थिक जिम्मेदारियों को भी संतुलित रखना हो।

भारत में आईवीएफ उपचार की लागत अलग अलग क्लिनिक्स, दवाओं और आवश्यक जांचों के आधार पर बदल सकती है। आम तौर पर एक आईवीएफ साइकल की लागत लगभग ?1.0 से ?1.5 लाख के बीच हो सकती है,

Birla Fertility & IVF

जो क्लिनिक, दवाओं और अतिरिक्त प्रक्रियाओं पर निर्भर करती है। कई परिवारों के लिए यह केवल इच्छा का नहीं, बल्कि समय और आर्थिक व्यवस्था का प्रश्न बन जाता है। कई बार उपचार इसलिए टल जाता है क्योंकि पहले आर्थिक संसाधन व्यवस्थित करने की आवश्यकता महसूस होती है, जबकि जैविक रूप से प्रजनन क्षमता समय के साथ प्रभावित होती रहती है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार इन्फर्टिलिटी विश्व स्तर पर लगभग 10त्र - 15त्र दंपतियों को प्रभावित करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)